

धर्मरत्न बज्राचार्य सुरत श्री महाबिहार DH 390 'B'

१३ नमः श्रीस्वयं त्वधर्मभाउवनमः ॥ स्वस्ति श्रीगीर्वाणयुद्धमहा राजान सगु दशायानुवसिधनयागनुअसिखनकूदि
 ना ॥ सचनर ३१ कारिकक १९ अनिधवावधक ३३ हनदासनुअसिखअनदिं सगुयावदधैरकअमिदं २ वासा
 कं २ थूलिअहासिमालयका काद्याहावालासगयाहाना स्वयंमजियाअनाहाअकथिंदाना निनास्वयांधक ३
 धक गास्वयाह ३० पीकहायुगार्कभाक १३ मिं स्वकवाक ३३ जिउधक ३३ सुका ३३ गहाउहिहाअः
 लिहाअल ॥ ॥ हनंदायागुअनिलमदधकाअउगु अवसिमकाअ हनस्वअनदयहंयाकास ३३ डायनी १
 यागयागिगासचाहगुअसिथकनायाग ॥ सचनर ३१ मार्गजिलगु ३३ रुपायौकवदार्नगाजगुहात्रनाय
 कवाहिलयाथक राशसगाअहन नगु राश सगु दशायानुअसिधनरूलाधक ३३ उपायाकवदार्नलक्षलः

गजगुवाहालंभलरुगथधायमरुगथधायदनादिगात्रावमवधकासिपिंसअसादकियाहालिस
 वियधकाअविहाअयादिं ॥ सचनर ३१ मार्गजिलगु ३३ वृहस्पतिवोवधक ३३ जावाहायावड
 पालियाक मवकावाकाकाल पथिमावायौशय रुलोमरुगाधकहनमहागुत्रयादयायुयम
 रुयधायामवकावायाअवधायथधरातामका यकमजिअधयावाधयापथिमावायौयाअन
 नंविदावपयइसाजिअसर्वसैरुधकसहिकय कार्लकासकलसककायधालं पडकायागलदिं
 ॥ सचनर ३१ पीपगु ३१ पर्वरुदनकनआदित्यवावधक ३३ सगुदशायानुवसिधयपद ३३ अमगुद
 अयाकनिमकनपजायाक पूजाकलसपजा किर्तुडधाय ३३ षिकापादपक ३३ गुरुनिविद्यकामनाथकन

१ सम्वत् २३८ थुगुद न वसिहावन मितिपेपु ४ सकवर्दा न राहुपाशा कतिवा ससा मिवन उष
 षने नोज गुवा हासि के म गुया वि कि वि अन से गुव देवन पर्जाम थना क्रु पे क्रु ४ विले वेश ॥
 पोषु क्रया वसिहावन वसि प जा गाना वलि विया नव सै सा रो हादि थष नु मि स
 थथ स देव पू गोया पू ज हा या सा ना हल गु वा हाश पि नि पा लं ल पा क्रि सा प ला क्रि वा ३
 गुवा हादि अ क्रि गि गोया य न अ क्रि या जि नि दे जि दि नि या न हि लं क्रि पू गोया यी ॥ उवा हा
 या न सा या प से सा का य ग न नि या वि व रु द अ या ना हि अ क्रि द क्रि सा या यी आ वा हा या दे वान द
 गुवा हाश पि स न अ सि ना न म द क्रि थं र पा थ या ना न प या ना सा ला हल गु वा श से गु व द क न मि

मना ।

वा स ज सा मि थ नि या न क व र्दा नं क्रि २ आ कि विया क वि विया न पर्जा या न क्रु वां दाम न का १ थ वा वि
 या क्रु न स्व गं दे ल या पर्जा या न पर्जा पा लं पा क्रु न सां गु नि सै सा ला हलं सा सि न या न अ क्रि ट थ
 न क पि ला स वा सि मि गि मा दं थु क्र या न उष
 ना या क क व र्दा ल रु उ पा या न द स या पर्जा क्रि
 क्रि १०० थ नि पर्जा अ ना सा अ ॥ सम्वत्
 न ल क्रु मं प मा अ दि ॥ थं स नि क्रु रु उ पा या क व दा न अ दि उष नं गु वा हा श आ वा हा या न क पा धि
 से गु या व द श स र व श व ज पा धि थ प नि स क्रु अ हा मि नि हा गु ध क क्रु नि या प क्रु थ न व उष

नं ननमिपंचपदानपूजायाहावलिकृपाकवियायवसिसायकलक१२सायंरूलिकाखलावासिस
 अंसनिषद्रुहागुहकषु४कषु४गुवाहाशंपाथयातापंचलकासंगुवदकोनवानाअनवसिसाला
 हयाखवाकस(थेनखसियाहोसथानउख
 लाहखवाकसनि(थेनकलथंगयकागलक
 सस्यालनिंवालासमिस(थेनथखनयाथनि॥
 कवदावइइलूनवजिहायकलमजियावपाथयाहानानामगुवाहाशंवलिपावियासंकवअ
 स्यान्ननिंखसियानसायावाकक(थेनयमसिइ३(थेनथखनयाथनि॥ ॥ रागुधकषु२नयाग

नयाथनि॥ ॥ रागुधकषु२नयाग
 द्वाहाद्याशअपनिम१कसकयायाशगक
 ॥ ॥ रागुधकषु२यवसिसालसंकमरु
 ॥ ॥ रागुधकषु२नयाग

४

कालिष्ठासालाहयाज्वाशावासिधयागुयाऊकायादिन(थेननसिइ३थनि(थेनथकषु२याथनि॥ ॥
 रागुधकषु१०ज्वाशावासियागगिलिसासालाहलसिवागलरूलस्यालनिंखलाचिकमरुथपऊसा
 लाहक१कसनि(थेनथकषु२याथनि॥ ॥
 पतिसेसालाहनसिइ३गनिअपसिपाकस
 नूवालागवासिकगिलिसासालाहयासिइल
 या१२थकषु२सगुयागुधनंदलामाहनिमवायअलथंसनिककूको०वाहालयावदमनिधायपलसाङग
 नमनिधायहिउअलथकषु२खकस्याहाअया॥ ॥ समन२३४खलुधकषु२या१३कषु२अथसालाहग

रागुधकषु११खसिकीद्वानासालाहस्यानि
 धइयासालमरुथकषु२याथनि॥ ॥ थंसवमि
 रागुधसिहास(थेन॥ ॥ समन२३४खलुधकषु२
 ॥ समन२३४खलुधकषु२या१३कषु२अथसालाहग

चक्रवाह (थनध्वक दूया थलि ॥ ध्वसनि क दू नि सं ख वा प दू या स ना र्प म र्प ॥ ॥ समुत्तर ३४ दंड लुपे कं प्रया ११ दू
 पुन वलिपा न अ विया ना ग द व या ग द इ ल हा सा ला ह न अ मि इ ४ द गि अ यि ध्वसनि क दू सा ला ह न या सा वा छि
 वा नि (थनि अ ध्वसनि क दू क व द न या क स द्वा इ ध ३ का अ ल द्ध म न या न हा ला विया अ क व द न क लि
 हा अ ल ध्वसनि क दू वि हा य सा ला ह थन प ड्डी प नि विश्व न ल स क र्म म ग न ना व स्व द न ल या पं जी ३
 प नि रु वा ला विया ह थन गु वा हा न स गु व द स्व द्वा ल्या हा व ले पं जी स क र्म ली लि हा अ ल ल द्ध म न प
 मा सा र्प मि प नि स न अ ल क न व सिया न प लि वि हा स क र्म ली हा अ ल थ गु द स थ नि ॥ ॥ ध्वसनि ॥

१४० स म्ब न २३१ मि नि पोष क १३ मृ ग शि व न क र व रु स नि वा न ध्व क दू श्री ३ श्री ब्रा ध म द्वा मा हा ना ज या ज्ञ य अं म
 ला हा अ ना मा हा ना ज श्री ३ ना अं ध्व वि क म सा हा व या प द्वा स ध्व क दू ना क गु वा हा न सि क म गु या वि कि धि न अ मि
 सा न क अ न सा सि न या ल क स ५ स व य नि वा सा ल मा स र्प नि सं सा ला ह ॥ पोष क १० ल वा (थन ध्व
 क दू मा हा दि प द्वा य का वा क म न द्वा य का न अ ॥ ॥ पोष क ११ सा र्प मि ह पा वि अ प नि रु अ स न हि का
 प सा न विया अ च म ल ल द्वा हा च म लं ग य का क न ३ अ सि सा ना ह न अ मि सा ल प नि स क र्म ली हा अ न का
 सा ला ह ल ॥ ॥ पोष क १२ न क (थन ध्व स नि क दू न क मि नि सं सा ला ह या ल वा दा वा न (थन ध्व क दू या ॥ ध्व
 लि ॥ ॥ पोष क १३ स गु (थं क सा ना ह ग ल स र्व द वी पू जा गु वा हा न ध्व क दू गु द्वा १ व लि पा १ ॥ ध्वसनि क दू

धमापूजा

संयुधसात्राणि पूयाचगनिर्णयकं थस्ययर्षं लखशा लनमानकागया संयुयाथका लिनकिना कनकिन लससासा
लायन गुवाहाय नायक वदित्रयाथक थकर्मि लभस्वलक्षिनी सा लायन अग्निपूयना सखागा धा देक सा ला
नला ॥ स्रंदगात्रयाप जोगागा अगच्छ दूनं गदरि चिथर्थ पत्रमभयया दयाद ॥ सिमावा माध दया कदवा कि
दुर्मापामश गल द्याय चार्क हागं हागं सा ला हल च उघरा सर्क म्वा रू लवा से की म्वा सात्रमिया वदिचि
नवा हाप गव स थपू दू चरि सिध्व गवाया क मि उ०० सिंया चाक म न अय क ल च व सिंया गध क दू या थ
नि ॥ ॥ सप्त ग २३१ माघ कृष्ण दशमि पच उर्द्ध श्री पुन वसन कृष्ण पी गिया गनु के वा न थ क दू संयु धीया
नासपिका यया न र्वा मा पूजा या न क ल स पू शानं गवय १० र्वदां ४ दां न ल भानि पूनी सि अ शा ल पूजा सि का मरु

३

अतिहर्ष

वाप ४

याचिकिधि उपाया हाग कृवाहाया अवि न हर्ष कि सि अ स वत्र माहान मा भिक ॥ ॥ थ क दू न ना गि क स थ क अ वि
हर्ष सि क प व च न व चान दू स्रंद गा द ॥ ॥ माघ कृष्ण पदि पदा पदि गिया स म वा न गु अ ध्व गी स पू न थ व च चो द
वन थ क अ वि हर्ष सि क ॥ ॥ माघ कृष्ण स थ क सि काम गुवाहाया उगा जाग म स पू न थ व च चो द ॥ ॥
गुवाहा ल स न द वा ज म नि नि कृ श न ॥ ॥ भानि पू वि स भानि क हा रू म न पू न थ व चान प थ स र्ज हा ना
रुचि पत्र थ व न या ॥ ॥ सप्त ग २३१ माघ कृष्ण उर्द्ध क दू ना गुवाहाय प म र्वा सि द्रि आ व न चि र्या रू सि थ
ना स र वा ना संयु था हा अ ना संयु द व या दू अ न क ल स पू जा य व ग वा क्वा ना स क र न पं व ग व हा य का व पू जा मा क
ध सी ले न्या स पि का य मा न अ य वा र दि या ना ॥ ॥ माघ कृष्ण पं व मि ह रू न कृ ग व ह रू नि वा न च टि र कि ना द टि ट

२ लवाहासां स ३ अरुवा हासां स ३ सिउनिया हायवाहासां स १०८

आसयत् ३

न्यायविद्या

[illegible]

दिग्वसिपात्र
वार्धवि

कर्मार्थं यथा स्वप्नसंज्ञापयानकसायवरुमकूटधपूसांथनन्यासविद्यास्यलितस्वर्कवज्रसविपदनअनावना
यज्जुक्तस्वानमालान्यामयलसदृक्षस्यवजाकृष्णदिमूडाकासांभूषिष्ठा नयानां अनाकूनधव उपनर्प पक्षे विभक्ति
कावजविस्मयि कसिने अदृक्षसंकावजकूटिनमव यकाक्काउकसीसं हृष्टिकनकावधनकूटकसखा
पागस्यं कृमापनया दास्वर्कथवरस्मृसंशोदावध नरुहसंभूषिष्ठा न अनाकूटिधूनका अदेवपूजा
न्यासद्यलसविधिथंपूजा देवता रूपर्यर्क ॥ ॥ धनमूपा रित सायाग लया रुक्ता अहया खालक
ना भिजलया वपिधिक नया रुलया मिखाकूना सायाग पूजाया दाकापटना १ कूया अनाका धनमूपा रित साया
कषरिषा ननविना स्वयत् ॥ यथाग रुविसक नकाव सायाल दअ दयकाव मूपा रित सा ननि कसीन गश

यकाक्काउकसीसां हृष्टिकनकावधनचक्रुक्कसखा
नरुहस्रुधिल्लनअनादुनिधनकाअदेवपूजा
धनमूपाहिठसायागलयाकृच्छनाअहयाखालक

थनदवयाक लालनखालस पूयका पउ गानहिना पू लनपया हास दवयाक गाले दया गल ॥ १
 कुरुगुगिनअयकीसायकलेथनलिमलाचार्यनस रुयाक निउपाध्यान खासिवालिकभवालिविल हाक सनचुग
 हायकाअथनवाक पूजासि काहू नि मधुभिलखान नन पूर्य अ सिवा दधन पूजा द रुधा वाधन नि सलावमाल
 काधूसीलिलेभाहू नि विसरु नथनलि न्यास घलवि आगक्या गधकादिन केन दू दधन हायके नाकान
 किनवपुनके पयगधनहा स्या स घल थाकादिन जानके गुवाहा नदकी स्य स्व सिवाक मंगला गज
 पयपे न्यास घलवि आगक थन न्यास घल रु हू अ न ल स कलन न स्य रु द नय ना अ अ ह द ल प यथा स्य
 न्यास घल स्य पन थन न्यास वलि विया थन लि भानि पू वि स भि अ जाल न पू गुवाहा न बाहु गुवाहा न हा न नीया
 क कुरुगुहाय कुरुवाहा माहा ममिक पवन रु ववयाक हिंसा दयके सि अ जाल पूजा रु स्या स रुना हिंसा दयके
गुवाहा क मी वार्य १
 न्यास वलि अ क सगुमि २

चउविंभ निवलिखासिवलि १

सिअजालन पूजा गुवाहा न काथवाहाया थापाथनलिवलिस सववि सवलि चान ॥ थनसमया क गधव क थू क दूया
 थनि ॥ ॥ थन नि क रु रु रु चउथि थन न्यास वलि विया रुट कि वा ना का का या क कल पूजा थन लि उगल बापा
 लिदकी सहा थ पूजा द र द रु धा न स्य वपा लि जाल र कल वा न वा न सि क मि सगु मि सा मि ना या र्क ४ क
 उथ विया आ रु पूजा या स न गत्र या न वज ल व झा न वे पालिया थ अ र ल ल व झा न थन न गा रु व ध ३
 प वपा अव रु न धया अ ल वा या न अ मि गारु नि स्या हा क द व ले वा या न ल व झा न उ ग ल व वी न स्य न व
 रु न ध रु यो रुट कि वा ना का का या रु ल रु उ द म सि चू रु क का या रु ल के अ मी सि का को ल सगु मिया न का की वा
 पू र ल व झा न क लि न न मा रु का का ल सार्मिया न खि धा न विल रुट कि वा ना का ट रु या द व ग्व व रु वा क दू य का
ना हा या ३

ब्रह्मदलपद्मवासी रुटकिवाता मूषपनायासं विधिर्धुं रुटकिवाता गुरुलपूजा थनलिवाकपूजा मधुलधि वस्त्रानन
नविसर्गनधुसंलि रुटकिवाता हायलज्जस ओजमविष्णु ज्ञेयसंयुथनसिआज्ञाननपूजा भानिपुलिसेसि
आज्ञाननपूजा थनिधुसंलि समयावक गधवक ॥ नागगुवाहा नउपोष्वाद्रि सिअखलक माहानपा
पिकथलि ॥ ॥ अरुलज्ञानायाथिनि ॥ ॥ थसनि कुरुवापिययागकलसपूजा भानिपुनिसमि ॥
आज्ञानलुवाहामूलाचार्यकर्मचार्यउपाध्यायथिनि ॥ ॥ सप्तमे २३१ माद्यकुरु २२ संरुडपायाकवः
दालवगनासिकाजि लक्ष्मिना नामदिथां थपनिस्वक सेगुसथाहाअल सरुलनाना सेगुवद नागगुवा हासना
खलानननासिधकिगथमालधन जिमिसंक्षुया सख्यं रुकाविगायाना पनमंनयादयाधया मगुसादुनियाक

नाभययाथाअल लक्ष्मिना नामदिथाभाह १ अत्रकनासिकाजि धवाच्छायायल दर्शनयाहा काहाअलीदि ॥
सप्तमे २३१ माद्यकुरु द्वादभिपुसयादभिपूर्वाचार्यउजपादनकुरु शुद्धिथागवदस्यनिवानघटि विना
१ यनिष्ठा कनिसे (अधन) सिमघाटकयखनव यनवसिस्वाययादिन स्वगुयीचुगुपूजा ॥ लसि
जलासि। न। थलियायागकययावला पूजाकल सपूजावलिपात १ पंथगव मूदवयादुवनमधुल
पातासपूजादवपूजायाभयलथनलसि जलसि न थनिस कनिसे (अधन) किलापालः
काधसंलि ॥ थनहापूजा द्वापालवाकं २ गवाकं २ कवपिर्क १२ वालाकं २ नगमर्क २ सामिर्क ८ कडकं २ थनि
याथअ २ अरुलध्वनापूजायाना थनलिधपालि हाथपूजादं २ दकृष्णगयाथअ २ अरुलवज्ञान ॥ थनलवा

या न ल लवङ्गा न नया नया न सिङ्गल हान क मि या न सि स हरिषे न का अ सि आया क ल वा लाया न क वि याः
 कृ यिक ल सामि न ख ग्व य गु न व सि स्वा न क ड लि न आ या न सि आ या गु सि व न व लि स न या अ न्ना न ध न ख न ग्व
 य गु न व सि पू जा वा क पू जाँ ध न म य श या न क ल
 द्या न क ल ग्व १ न द म हा का ल क क ल ग्व १ व ल
 धि न ध न पू जा ध न लि न्या भ व लि वि या न ध न क
 ध नि ध क कृ या ॥ ॥ ख न ग्व य न व सि स्वा य भ कृ ह अ सा मि या ह य र व ल स वि श्व क र्मा पू जा या न सा मि कृ र्वा
 १ वा हा न भ स कृ १ क व र्दा य वि अ ॥ ॥ स म्ब त २ ३ न को ल ग्व भ कृ २ रा शी स न अ सि धि न या न कृ र्वा स ल

पुनर्विषय

यसि अशालं पूजा वलिरुजया न १ पाद्वरं च न माल पूजा नानं श्वयमद गुवा हा र्क ३ सगुया थ का विना का र्क २ सगुः
मिर्क २ वा सगु र्क ४ थ लिवा ना पूजा या य पा सा क ३ गु र्क १ मा पूजा स का थ वा हा या गु वा हा वं म्वा न उ व सि र्क या न म्वा
ज्ञान क या न सामि मा क स लं सा ना ग या न या ना गिः
ना पूर्व स्व र्क प ला १ क स प ला च्छि व का पूजा विम
वा शी ग प नि न व सि ध न क च्छा या गु वा हा प नि क
य व य स न व सि क द ल सामि न सं सा ला अग्नि स स्का व या य स स न य का क ३ वा का ध न का सामि प नि स क
लं रु र्क स क व न क ॥ थ कि न व सि थ य या च्छ न ॥ ॥ सगु धा या धा र्थि प र्वा अभा ध ति धिया क ह्या नि प श्रि म

सपत्न्याधिलोकध्वन्यनपूर्वदहायमाधकत्राववायागया गयादपूर्वपरिग्वरलसयार्मकासंगयागअपश्चिम
 पाखेदिहजमहामशुलीकसनिउपकसनिइक्रमरुधीदथेनवासंकासं पश्चिमदहायमाधकचायागनुइर्थ
 वाससिधधवासवदमाधवासमशरीकजासन कायावाक्पयाखायाकालाहाधलनयाविआ
 क्रुधपमिमअनेमाधकनयागयादूजगनिष्य कृत्वागिकवायकमाधकविनयागयादूर्ध्वथः ११
 पिगुकटवाकपूर्ववपश्चिमअथनिहानरुयक पियमात्राकयालात्रुकोर्यत्रमनारुक४४त्र
 भाद्यसिद्धिन्नसंतवक४४सोकद॥ ॥ नवसिद्धनासनिखूननिसेप्ताथसगहैखयागयमाभवस
 नानस्यमद्भातुकिपिअपनिसेगुवदशकीभवसंजननमद्गुकिंयानिपियनधनगनुकिंयानि

कससखललयादववेयजनगविगविजलयाअलूयाअकसकल्पसगुवदनसंकुसगयागल॥ ॥
 खलुधुक्कटत्रिपूअसखागलसगयागयागुनवसिसालयानक्रापांवालेच्छुपागवियापूजायानाधक
 कृत्वपहवसजअसिसालत्रुकिमाथायाकंवि वाहापिलवउर्मखदवावनागत्रधकचयकनु
 सिफलअत्रुगनृखगुविवाहायासनेभयक नयारुलसनमयशुधायादअलकूमशुत्रुमि
 नारुदपोनाकामनखलीहजअलाकाकृत्वाध कसालायननुवसियादिपाउरुवखकसालेजिः
 ववपावापियाअनीलिसायकलहुअभयाहानाअमिगारुयाहुअनलिसालागल॥ द्वाथसवांउनुमिका
 नहयगलपनियानिर्निपिथकंससावथलिकसावथउठनियाहिनसथनिसालरुधकुरुधुनि॥

समस्त २३ मित्रिहाल उषः के एव सिया दाना धनया न कलस पूजा जाल पावल रंजनमा व उवा न ३ या सा क
 रुयि के १ मात्र स्वक गुवा हात्र वलिविय मा पं च न का पाथ ध १ चाय क मा पाथ क र्म ४ क्रि सि आख ल म था क बला
 रुय र्म वा सा ज र्म २ हाथ पूजा या हा पा न ज्ञाना नु वः सिया दाना धां का दाना नु गति र्म व नि पा स पा न
 लं न या थ का नि ना का से गु व द मू शी या कू अन पूजा द व पूजा ना घ ल स या हा थ न वा क पूजा मं धु लः १२
 थिला द कू धा वि स र्म न व लि न य क न व सिया दि पा स पा १ न व सिया द थ म पा १ न व सिया दाना स पा
 १ व लि न य न व सिया दाना धन या थ नि ॥ ॥ थ क दू न व सि ह रि पं हा न र्म क कू य या न पूजा क ल स पूजा
 गुवा हा ना गुवा हा क र्म चा र्म उ पा मा हा पा थ क र्म ४ व लि पा न १ न व सिया कू अन न या द व पूजा ना घ ल स प

२ थ या नि मि रु जा या म या या कू द न पूजा

वलि वि य पा न २ ह ह रि स्व न मा न य नि रु य र्म क मि र्म न वा सा ज र्म २ हाथ पूजा या हा ह ह रि पा ल व ज्ञा हा क
 मि ह रि पं न क कू य क न अ पं क मा क थ न वा क पूजा द क्रि धा वि स र्म न व लि न व सिया कू व न न ना नि प वि स न
 य सि अ जाल पूजा ना नि क म्वा न नि था र्म या हा म य र्म क ल ग १ पूजा रु स्वा क न य पूजा ना ज नि था र्म
 या सि न ज्ञा य र्म थ ना गु वा हा या न मू लि से गु या थ का नि या न ख अ सि उ वा या हा ज अ द र्म न र्म न ख
 अ क र्म क र्म चा र्म या न थ ना ज ज मा न या न प क न मि या न अ का वा सा ज या न अ का ह रि पं न या कू
 न थ नि ॥ ॥ ह रि पं ना पूजा या सं नि सं व क्रि दि स्त्रि उ द न अ ल अ या य म जि य क अ या य म जि या अ उ व न
 ना कू ल हा न नी या क ना नि पूजा या हा द न या कू ल पा न १ हा न नि व लि कू अन र्म न या पूजा या हा गुवा हा न र्म अ वा ज गु वा
 थ क उ पा थ ज रि ह र्म क मा र्म अ नि ह र्म
 ना प्वा वा हा या व र्म ध व सी क म्म न धी

अज्जोमानं कं अं गुयाथ का निमथा क कया हय मिया हय लखया हय रुसया हय सदय कमाध क भानि पूजा कय वाचि
 या छार्थं सनिक कू नि सं द वारेन निरा लगान आचूक यम रुल ॥ ॥ सचन २३१ मिनि खलु धनु क ११ धा
 धापिय का वाय कल थन लि द्या थ स र्वा गु न व मिया पील लिका या न वा क्र स सं गु व द न र्म ग उ कि म
 वा गु पिल प गु दि ग स प ष्ठ सि रु घ न दू द व अ दि कै ल या अ द क लिक या दि ग र या म द न क ह या १३
 व हिलि स ग या पि मा क पि ध स लि सा मि न स सा य का का न ह या पि ना य झा या था स न य का थ
 न न का रु क वा हा कू धु स ख या सि रु पो न क प या न गु लिका या लू प ल अ ह प ली लिका या थं का म सि पि न क प
 या न या न गु लिका या कू र्मा लि वा ध या गी ह थ न थ या न ल स घा दू प स क न क उ क थ य जि व थ क र्मा सि

नरन्याय

वा वा ह न स पं व प हा य पू जा या हा ध न का व प न र्धा प या न ह न र्धा प या न या थ न सा मी द क स्या न न य रु क व जि न व
 धा थ पिय ग न किं पिय वा च्छि का वा य क पिल ॥ ॥ सचन २३१ खलु धनु क ११ व ल न्या स या हा मू
 क व या छ अ न रु ध जाले उ क ल ना हा ध क ल स ना ग पो व लि पा न अ क्रि सि अ ख ल क मा हा न मा
 मि क थ गि स ध र्म प हू लि पा थ या का इ व न्या भ घ ल स वि धि थं पू जा थ न लि म ला वा र्य ल क स रि
 प द का या धा थ स इ हा अ हा कू र्मा सि वा ला ह न स व लो य टि र वि ना अ य वि द्वा मा ल का वि धि या ना
 अ कौ या न स क न र्क द र्नी वे या थ न म ला वा र्य लि हा अ या थ व स स र्वा हा आ इ नि उ पा या हा व लि वि या वा
 क पू जा म धु ल थि वा पा थ स मा फ व न पू जा द कू धा नि स नो व वि स र्ज न क ल स ला कू धा वा ध या कू दि थ

यागलवज्ञाहा मयश्यागकलम् १ रुखासम् १ कलपवनरुत्रयानम् १ कलसूँववूँवकलमश्लीक
 नपूलांमरुकलम् १ निपूनीसिआजालंथापैरुदयकंपूजा समयावकनधवकथनरुश्यागकप्रसलवज्ञा
 अहाखानगजहौंनलनाभयाथनि॥ ॥ थूषननिमंजवसिरुकरसालमगलखनधका ॥ धापदका
 सम्वत् २२१ मिदिहालगुगुका ११ सुजवसिका १४ ववसिस्वायनर्थसगिकुद्रमगलखनवसि १४
 इगयनेन अनियाहा रुखासमेसर्ग १ पूजासे अजानंगुवाहावाजगुहा उपाध्माकर्माचार्यधवि
 सगुयाथकाविनाक रुखायाकस समसकवकाया सगुवदंनसदकयागसकववियास्यावजिंरुउ
 पउवजिरुउथनिदधेविया सामिदकयागवियागनचकसिलहायाकथमसिसगुयाथकाविस्व

असिगुवाहाह गवक्रुसंउपाध्माखवक्रुसंकर्माचार्यधनाका मअक जजामा ॥ थकूद्रुवसिदमधेन
 थूषनया नाजिसरूपिसवा मर्कंरुधायाकपुनधयनअहापूजाकस पूजागालंपूजायाक लगनयाजालद
 रुउ स्वावाहायावजधनस्वावाहायाजानदकजअ वाहायागानवसिंथकूननिनिखलसधाकूम
 हाकालसंपूनधनपूजाकग पूजा पूजायाक गअकयाशीरुवगअकयाजुविहर्षगअकयाः
 वजहर्षसिकंमगुवियाथाक निनिखलसधा रुनरुविसंपूनधनपूजासिआजालंपूजाया
 कसिकंमगुयानदसिकमगुयात्रागमनिदगंवहियागुमानदर्थसगिकुद्रुवसिमाकदधेनक
 सालीलंरुथकूद्रुदरुसालयासामिमर्नसापिदक कपिदकयागलकवायाशजनकलजयना

कनार्यदशामिमी ४०० कमिमी ४० इथुक्कूयाग्रीसमामिदक्यागकर्मसिना ग्राह्यावात्रदर्शनव्युव
 सिक्कथस्यनिसेनुवसिमदनलअकासुगपसदनविनेत्राकपनिथअरठथसर्वाहमसिनुअहमोह
 दकूपागलदभकनकपनिसेडा(थनोपअध्व लंकअवाडेनकअसारवनिर्लंकअ॥ ॥
 सचनर२१मिनिहागुधकषेरससुधायो पादसुपेननुवसिगत्वाकदिनिगुयांशुपू १५)
 जापनिमुआलीपूर्वकनसगोहाचकनसनाग पाजलि००००यशीलक्रियकायंकुनिवाअन
 सिजयगजलयोयगसिजययाइनसकथनासुपनयासंपेनापे॥७वासीगुनमधुलदिसिअखल
 कनगुनमधुलयाहामूनावायउपाध्याकर्मवायोस्वकसेनवजधकुदगुनियाहाइदिसिअवनकस
 नदिगवलिपा४वियवलिक्कूय

४ दशयापजा
 बर्पपुत्रिकाप्राथयाहाकलसत्रादिपंपूजाअग्निस्मपनदवयासुधलसविधित्थपूजाधस्यलिमलाचार्य
 मकूटनपूषअहावसाथसलूपलक्कूक्किवाकदअहपलक्कूक्किवाकदगया(अधनयाहापक्षपहावपू
 जायाहालिहाअयाथअसुसंवानाथनकमिमी
 अतसिजयललवहाहावेलाघाटि१४विनाहा
 कपनिमकस्यानेनुवसिसायकामूलषकयाअ
 अनवरविलाव्वलबिलपूजादिधावाहामूलषकग(धकयमकसालथनविलाव्वयागसिजकयश
 यासांमयूनुवसिधसागकसालमयूमूलषकगगकसावादिनथनालेहानमूलोचार्यवाथ
 उपाध्याकर्मवायोस्वक

सहहा अनापादस्य पनया कानु सिगद्यनसलपल अरुप वपचमत्रन संलधनया संपवपहा वपूजा हाव लसीं
 सिगद्यन दथया गुडरुत्र अरुनेमय वायवः ॥ नथनि थनीलि हाअया आरुनि विया खासिव लि वलि पाव
 विया थनने वसिधस्वावकं मरुया अवाक पूजा मगु
 नथनपनिस्सुया कल कल सत्रादि सकर्ग न्या नच
 हाय कारुस्वा रना सिअ गाल पूजा वाहान दणु म
 नस ॥ धाव ॥ धाय कल पूजा मरुगी पूरा संगु क न्ना नि प्र वि सि अ गाल पूजा समया वक गं व क मिल
 या के थ म सिले वि के स्या गु संगु या थ का विध म व के सि रे अ सि नि क स्या गु म ला वा र्य थ क ज व द्र स्य उपा

रुखा

रुखा रक अ पवन रे व व ऊ अ

१७

ध्या ग अ क या अ विरुर्ष ज अ द्रस्य क म वा र्य सि क म गु या न द र व अ द्रस्य पूर्वा वा र्य ॥ देवा हा या न सा या प्र म सी
 काय र्ग न नि या वि ध र उ या न वि न र व अ द्रस्य द कि धा वा र्य या या हा या द वा न द थ ना प नि मा वा र्य या वा
 हा या व र्ज या नि थ ना उ रु वा वा र्य का थ वा हा या
 गा वा र्य म र्व वा हा या रा श म नि म म का रु स र्वा
 प र्द नि स्स या क्रा पा या थ वि र्मान य म र्ज अ या
 य या न वि न अ का स गु या ना का उ ॥ सी या न वि न अ का स गु या हा र प नि या न वि न अ का स गु या वा ज
 मा सी या न वि न सि या द्वा न दि न वा र्य प क रु धी वा च्छु वा र वि न पा द ल प न या द्वा न थ नि हि क मू ति या न य क र्म वा र्य

सकडिया या न दि न

समस्त २३ मिनि दाल्गुध कृष्ण निसि स हपा वा कृष्ण मिथा वरव न स द न पूजा कापी न्यास दल स कल ग्व १ पीजा
 मृग पूजा दथ स हपा वा कृष्ण ग्व १ कल ग्व अस हपा वा कृष्ण ग्व १ कल स अस हपा वा कृष्ण स्व कृष्ण ना दल स पूजा ॥
 थन लि मय ह धी या क स्व कृष्ण कल ग्व १ मध्यमा म दय क स्व कृष्ण स्व प न क पूजा थन लि कृष्ण अ हा ध
 निस घ न ग्व स घ नी विया ज व प ला का पा च्छि का व उ मा ज अस ला क पा हा ज या व नु व रि धा स व प
 न ख न व ना अ स्व कृष्ण कल ग्व १ स्व प न क पूजा या हा थन अस न हे ल का अ स्वा न माल को षा य का
 अ थन म ला वा र्य उ पा धी क र्मा वा र्य रु द कृष्ण पूजा या हा अ वृष न स थ ना लि धु य न ग्या ना गाय जा कि हा ना व
 नु न सिसा य का मृग ल ख न उ न क थ सा ल रु न थ रु दू या थ नि ॥ ॥ थ सा नि ख न सा न व र्प ष रु मि प स फ

१०

पर्व स संस्कार पत्र २

मी आदि ल वा न वृ न कृ १ मिथ न म थन थ कृ १ थ नि ॥ ॥ दाल्गुध कृष्ण वा ष रु मी प स फ मी या ना जी स नु व
 सि अग्नि सै स्का प्रया न व नि धा या उ रु न अ जि मा धा या कृष्ण कि ला क स स ह मा रु रु यार् ल का पी अ रु द
 ना पृष्ण क व स गा हा ध क व स स घ न ना ग घ म्ना व प क क मृ आ दि जू न द रु व्या गु रिं भा ल न ख
 ना र्प व क ना क या वा रु स वि ज न या पूजा रु ना मू ला वा र्य उ पा धी क र्मा वा र्य क्रि मि अ ष न क
 मा हा न मा णि क सूर्या न य म द उ पा स न वान मा न गु न म गु व प क ग व आ दि षा रु क समा दि क
 ल सा दि पूजा आग्नि संस्कार पत्र रु मि सि न ना अ थन प क क रु म रु प या अ स गु मि स ना अ स गु मि न रु रु
 या द कि स ग्व म य न व यि न का अ प ल ना या व प ल या द व न स्व कृष्ण ला क हा रु न व रि न या अ अ या

वडकासिदस्युया१

मंगल

[illegible]

यखलकमाकवीना१

[illegible]

हयायू म सापियागु प ना नु ल लामा हयागु काय रियागु प ना नु ल थन सापि का हा असीसि ४
 या कापायासु सखना पूजा रुना मलाचार्य उपाध्याय कर्माचार्य स्व कर्माचार्य मधुन दिसि अथ व
 नगुन मधुन दसा ^{दिन वसि} मधुन पशुविकापा थया ना थन ममादि कलस जा दि विविधार्थ पूजा मगु कलमस
 पक्षसु का पर्व विंमिका गव उ दच्छा संकया थन नमि म्पन नम नम नि दव पूजा न्यायन
 म विविधार्थ पूजा दव ना रु नि थन नव सिधन लना का हि क धर्म वि मलाचार्य कर्माचार्य उ १२
 पाध्याय म क रन प सं व रु म वि प दन अना व द्या थन द न न सिया थन पर्व म मलाचार्य द कि
 नम उपाध्याय पश्चि मे स कर्माचार्य उ रु न स कर्माचार्य स्व पू म ना ना अ हा म न था न न र्या रु द य म रु दि न र
 म थ थ म र ना न ल लि वि अ ह लि वि न र ना थन हा क म थ न ग या ध र सि २१ न व र्ज थिया अ स्व धन या हा

दन अ का गु वा हा नं हा क न थ न ग या ध र सि वां क न थन द स क र्माचार्य अ सै कि फ प छि थ या हा रु मा
 पन वाना थन लि हा व या थ व र म्प स र ना पक्ष विंमिका नम ना रु या थान य ना न व सि द्धि हि ना को न रु
 या मलाचार्य पर्व विंमिका ना य न रु ग र्वा न माला न क र्वा य का अ
 वि प द न अ ना अ स्था न माला न क र्वा य का अ
 म पूजा दव ना रु प र्जन थन क र्माचार्य न पूजा या
 कि उ पा ध्या य सि व लि व लि पा न र वि ल वा क पूजा सि का रु नि पू र्ण व न पूजा कि र नि स वा व सेवा
 रु नि वि ल र्ज म क र स ल रु नि दि थ या न द्वा न म य रु द्वा हा का रु स वा र ना सि अ अ ल पूजा ह स म
 २ सं २२१ का रु ग क रु द म अ वा गु थ स गु था या न सि धि ला क र्वा रु वा गु थ लि म थ पूजा रु क म कि प्र नी या हा स क र्वा रु
 रु द्वा ल या अ ल उ सि थ न र न रु स न रु वा गु ल का रु का म यो

पवनरुचयवयाकमिअशालीपूजाहसज्जोसु००॥ व००॥ सिसिदकलपूजाहसवाहानदयकेमरुशी
 कलपूजापूजाभेणुकवपूजाथनिभानिपूविसेअशोमपूजाथनसमयाचकननचकजसिथनाया
 यति॥ ॥ हाऊससिप्रवियकेथरुय ॥ सिमलोवायउपाधामेणुयाधोकाविमागा
 रुधुनिसकाव॥ ॥ हाऊसकपू१००॥ वसिअग्निरीस्कावयाहाणुअरुचउधियाजा
 कनसपूजाहसपुहायाययागपूधरुअनः ॥ इहनपाहसमनवेसहनादरूपवगस्यवेल
 रुवाठआहापवतलप्यागसकयाकवसरहसमदसगयापववग्ववपीवागपेरुहपवअहपवपेववः
 तनस्यपणुविसरहसमनस्योदगरहसमपनगुनमधुलसिधुहसमअनावेत्यपनूखननयसगना

कनसामन।हसमअनावेत्यपूजाकनककुनिसनाकनकमापनात्राविवाक॥ सपननयवगपूजाप
 लीधिसुगननाकनविमरुनकनससहसमनयकसविगस्यरुमिवाखसिहासनअनागपूजादोगे
 लपूजहगयेगायअरुगदोहाखीनसअर्थया ॥ यकनसथनरुसपेदकेनयाविधि(थपूजाया
 हाअनाकनक्रमापनविमरुनयासनागम ॥ धुलेसलखनधनककनसगंधासवागुरुसमद
 केवकमवग्ववधपववतलपवडापेववः ॥ त्ररुसमनसंपेचनिथेनागकअयद्रापीवक
 धु(थविमानदायिवाकाहा(थविमरुवमान(थविमरुहाहसमदकेहमिवापतिहीसंचयकनागपू
 जायायथनिरुसपुहाचयकविधि॥ ॥ हाऊसकपू१००॥ वसिससिअपनिपनागलपसनीहन

१ वपाविनसउपासनदत्तकनवादि २ जकदत्त॥

सिद्धासंज्ञादत्तादि॥ ॥ दाल्गुणकहससनुवसिलीकूपनिसुयाहायाशुरुवउधिगुवाहाम्
लाचार्यडपाध्माकर्माचार्यदिमिअखलमाहामामिअनिपूनिअअलपूजा॥ ॥ दाल्गुण
कससामिनसावेकमापूजायातथथदेवक यत्तथसुनिकककनव१खनपूजायातना हंसक१ख
जगुवाहानेपूजायातकनव१न्याद्यनस कनव१मरुथायातकनव१रुसवासंथे ३०
त्रिखनपित्रखगुयाजवसिलितथविहया यमसामियातधउसगवसगंविनथवि
सिकारलिगुहाहाजनकनहपायकसामिंशेगुयाथकात्रिसगंवियाहनेधारपिककमाहानाविनियाहाह
पाविमंथककूमिहाजदि॥ ॥ मंगलखपित्रवापिगयावायववागुविवाहायाकानसकापा
१यातशउदंमद्विया॥ ॥ सग्वनमलशग्वविलश्वलिविनाकालिपिशोसग्वनग्वसग्वनवेतालित्वा ३खकर्मविपावलादित्

कियागयागुलाहलिकायाजवसिखागुविंथानंथविनयागयाइ॥ ॥ सचगल३मिनिवेगुगुक्र
पनिपदात्रंगवात्रयात्रालिसगुगुनिनिपियावलत्रयाअअलयासचनअनगडागगुकिनिसगया
दनेयागदेवनयागयात्रुजिमाध्यायाकाथस तालिसनिमकनेपूजापचीकमपूजायाहा
गुवाहानाजगुवाहाउपाध्मासमुपूकया१सगु याथकाविमन्वाविनायाकयासद्वियातजज
मानविनायाकपनिपूजाधसविमगुलथिः यात्रनपूजादकैसथनपंचकममहथे
विसम्वनराजनंठुपाथविधुमविरुतिजकदनात्राणीयावावाअयटिरजावत्रदवसकनंदिनर
याकूलियागवाथसइहाअहापूर्वद्विपथिउरुदवसुपनायाहापंचसगन्धपक्षमगहायास

४१ कल १२
गसदय

अवाहाया लवाहसय हसिंशया अहया वेयवा हाव सिजयागम दयकापुधिमसगल द्रापायागसखव १ सखयापुव १४ २
थस हतागयागु सिजयागम दयकापुधिमसगल द्रापायागसखव १ सखयापुव १४ २
वकामिककनमलखनहाया विविधपूजाया हाथविनामाश्यागु सिजयागम दयकापुधिमसगल द्रापायागसखव १ सखयापुव १४ २
पनिसकस्योदवगय हर्षनया द्रापाया दवसक वरुयां त्रपावानदना द्रवादिदिनं द्रु (थलिलिहाउ
यागलपसदवसूपनाया हायाथमि ॥ त्रिंजिं ॥ सम्वत् २२१ वेगु कुरुगिया पुवुडे धिथ्वक द्रु दग
यासाइ शीक वृथ द्रापाव वसिथं वलं कगां कुरुला माई सगु थायाग उकिनीया त्रगु विरुवनसगया २१
कगुपिठिकर्ममगुल काथसहया कगु पूजायाग ॥ उवाहाग अयाग हापि वेगु कुरुगिया पुवुडे धिथ्वक द्रु दग
मगुमगुपा नासकल सपूजा गाल पूजा इव न्यायन त्रपावानदना द्रवादिदिनं द्रु (थलिलिहाउ
थदनकागुवाहामलाचार्य उपाध्या ॥ वेगु कुरुगिया पुवुडे धिथ्वक द्रु दग

पंथि

१ वाजगपादापा

मगुपागासकलसपूजा इव न्यायन त्रपावानदना द्रवादिदिनं द्रु (थलिलिहाउ
सिअ गालपूजामलाचार्य उपाध्या ॥ वेगु कुरुगिया पुवुडे धिथ्वक द्रु दग
माई गडुकिनियो निकेसासुसि पूर्वसुसिलिध
गगुवाहाथकया विविधिनवनया त्रुसह
गमसगया सुसिया पूर्वसु गडुकिया त्रुवसरा
उवाहायावदनसवक विदयकया गसिधाकया पूजाया गवक दकया सिधाकया पूजायाक ॥
सम्वत् २३१ वेगु कुरुगिया पुवुडे धिथ्वक द्रु दग

थक जतिरु
वर्ष कुरुगिया
हगदकिम

॥ वेगु कुरु ११ द्रुवाला माई नवसिहि प्रयो गजकला
कसिजयागम दयका गधंसरु गलां थसगिखद
सिकासदुवाका निक्कयां सिजयागम दयका सरु
कगजदि ॥ ॥ सम्वत् २३१ वेगु कुरु १२ ॥

(कथवकनिय)

सिद्धलावलकनात्रिंशद्गामाईग्यागुपिष्ठिकर्ममधुललिकायाग्यापिष्ठिकर्ममधुलगुकिनिया
जुगनिकनसगलदुगलामाईविनायाडागलनाजगुवाडात्रैपंभीपंचात्रपूजायाकाकापाग्याथ
सगअदि॥ ॥ वेनाषभुका१गुगुकिनि यानिनागअदि॥ ॥ समगल३१वेनाषभु
क१७सकावायाजुवसिसिजपनिहनाग गुगुकिनिनथनथकिगनाइग्यापसन ३२
नियासाइरुशीकपूसिजपनिदायागुदुः डालामाई(नाथनयाकाजसिद्धि)सिजप
निरुनकदि॥ ॥ समगल३१मिनिधैरुगुकिनिग्यासगसिलनकागुगुकरुथावाजादिरु
वागधककशीस्यरुअरुयाकथवकलिनयादिपूजाममधुपागाससरुमाइजगुडीलीगा

हाद्यकलससगधनागधवलपाग१विधिथंस्तुपत्रपैपूजामलायार्थउपाध्वाकर्मचार्यस्वभू
नंगुनमधुलदभदिगाचार्यनंगुनमधुलयाडासधर्मपेधुत्रिकापाथग्वयागिलमादिकलभाईन
हामविधिथजुग्राहुनिथनदवपूजान्याघनः सधवगाहुनि(थंलिथामगल२०मध२०लप
निगगकिनिरुनगुनकिलथुनिपूजालीहानि लकावजगावामकरुविधिथंपूजारुलाहि
क(थलिबलाइयहुनंलवानायकभैरवनाइ यकभैरकमिनायकभैरकउनायकभैरहा
थपूजाइरुमाई२गस्यथनवलायटि१०विनाअनुअलवानवाग्यागलपनिलवकाडाकमियागथम
लवकाडाकउयागनकिलवकाडाथनमलायार्थमुखननपसंउपाध्वागुकिनिथाहोडाहानसियाः

पूर्वसञ्ज्ञानास्वप्नसुषुप्तिमधुयाहा (थविउसिया पूर्वसञ्ज्ञा ०० लाहगसपवगवा कत्रसलखपत्रामगपव
 उषधिपवगधहायालपगअरुपवगयाथयोदवअदिगस्यारुगयाअविधिधामसोनागविपूजा
 लाहात्रिपकावजनायासगरुगायाथनमलाचार्यउ पाध्म २० धामसोना दथधामपिधुधामस्वाहामथगया २
 नधामसवजनधिसंज्ञापयासरुलोहिकपञ्चन पूर्वदक्क पश्चिमउरुवअप्रनेमयवाये ००३
 धामधुविदिगसपञ्चमृनादिगयालपगअरुप रज्जुगयाअयागुदिगसविधिउधमथगया ३३
 मगसद्यादयकाज्जुगयागायञ्जुगयापनिपादिपूजाअस्यमिदिगवजस्वाहा॥ धनलाहपनिसप
 जायाअ (थलिकमिनसंज्ञकविग्वबलवागवा कउलिनगुनिया पूर्वसलपगिग नधनलामाशन

कमिनायकयागमाह २ वृगवनायकयागमाह १ व (थविमूलाचार्यकाहाअयावत्राहगिवियाउपा २
 ध्मादउवियाधनमयशकत्रपूजापवनरुत्रवकत्रपूजा रुस्वाकलपजा मशुशीपनासगुकत्रपूजास
 ०० धाव ०० धा कालिद्वकत्रपूजा धामिपूत्रिसि आशालपूजावाकपूजा मधुथिनात्रपूजापा
 थसमाकवाधननिसत्रावदक धामपूजा सखा रुगिविसर्जनसमयावकु गववककथवक
 विगयायाथ निगुवाहात्रागुवाहाउपाध्मा कर्माचार्य दधदिगाचार्यमाहनमापिकथनि
 ॥ ॥ सखग २३ नमिनिश्चसुगु क ४ वगवात्रनिगुवकविगलपूजाकत्रसपूजा शीलं गुलामला
 वार्यउपाध्मा कर्माचार्य दअपूजायाद्यसुं (थविधामाअाधामसपूजा कलसादिपकगवापवक्षमन

निगवकिया

धाममथपूजाअंसिकर्मि
 ज्ञाहापूजा २

अतिहर्षस्वप्नसर्पनापिकालध्याकाससिके मण्ड विद्यानन्द अतिहर्षया कृतस्योनापवनरुत्रवपूजायानाथः
 रुत्रवपूजायानाथः अतिहर्षया कृतस्योनापवनरुत्रवपूजायानाथः
 जिके म्माचार्य स्वः कृद्रुकायधक मका अप
 हावदसंघा क्रियामर्थं सिया कया पूजाया अथ
 या रुमांकत्रपूजाया वदइ विप्रपति सिखं मण्ड
 कया धाक सिव दइ पविहाक सिर्क म्मण्डया विकि धिगुता रुद्र सन्ध्यापु मूर्ख संध्या क्रियामर्थं सिया क
 यक अपूजा के स पूजा जालक मिहा पूजा दं द रुद्र सन्ध्यापु मूर्ख संध्या क्रियामर्थं सिया क

तगुच कृतयादि ॥ ॥ सिके म्मण्डयागुवा
 पापुष्ट्या मया गुताय कपतिगुवा हा म सि पात ३५
 या स्वपति धी व द इ पा रु लया विकि धिप
 रुद्र सन्ध्यापु मूर्ख संध्या क्रियामर्थं सिया क

(कानचक्र प्रिया)

खलमा कानका थथ सनया अयधस्य त्रिलिपत सरुत्रगुवा हा रुका स्यां किमिह्यं जा चक सिनय मख अयः
 मखध्या सिमय अ व द इ था का विविलं पति अनो धा अनव द इ या जक रा धया गु ता नस्य हा (थ धा सा
 मविद्या धया व द इ स्व सि क्रिया मर्थं चक सि
 कर्पिक धया चक सिन व सिखं मण्ड या गुता
 रा रुद्रा नां ना सिखं मण्ड व द इ का धुचक न
 हा न गुचक विन व सिखं मण्ड या व द इ पति ना ला कया न पूजा कल पूजा था हा अ हा था म ग्व ट या म ग
 स रुद्रु गया पवन तल पत्र अ ह प व ग या था म स पूजा पूर्व व न का हा अ या व लि पा न १ विद्या चक्र पूजा

रुद्र सन्ध्यापु मूर्ख संध्या क्रियामर्थं सिया क
 रुद्र सन्ध्यापु मूर्ख संध्या क्रियामर्थं सिया क
 रुद्र सन्ध्यापु मूर्ख संध्या क्रियामर्थं सिया क

श्रीकासिकायागः॥

मधुलथिनाकननादकृष्णकृमापनविसर्जनं भानिपूत्रिसिआजावपूजासमयाचकनधवकगुहाम्
उसगुवदश्रकमिर्झअपूजावयपूझंउविनायामाहाकं२सगुमिर्झ३दववामाका४धावाभानि
पूमयशुरुखालकिवा४कवाकनवा२सद्व
गुवकप्रियागयादिन॥॥सम्भन२२नध
दिउविनाद्यदि४हात्रीकासिकाअनेवात्राद्रा
पास्यावउवियानयधूकाधउसम्भनकायावा
यासत्राकवामनयाहायाहाअयान्नाद्यप्रसदकृष्णयावात्राकायामयशुआयानदकृष्णयावभिलात्र
सकिम्बनितापवनरोत्रवयोगकिम्बनितावसध्मायागकिम्बनितारुखासदकृष्णयाकिम्बनिताः
३६
श्वसम्भन३

अनामंशुश्रीअनजअक्रहाअहावसगुयावांवांगामिसानिर्झसंलधयवकवाहालकायाअपिंनावराकद
कृष्णयालखनमिरवापियाखलविंअहासुरगुदभनत्राकसगुगलसंमानत्रउकासिकायगुसिमामः
श्रीपद्मनयादकिंनसम्भयन्नासिर्वालागुवदह
धायाधगुसिमासकृमात्रिसुकाकु२१हिंना
पासकसिनवलाहखिस्वनापूजावनदवीपूजा
जाकलसपूजासिमाअधिवाप्तनयासंकयावलिपान१पूजासिमावदवीपाहखिपूजाचुगुत्रिसिमाया
पू०द०प०उ०अ०ने०वा०दि०ग०२०वा०ह०सि०मा०पू०जा०पा०सा०क०व०लि०हिं०सा०म०या०वा०क०पू०जा०म०धु०ल०थि०त्र०जा०भि०वी०ग०

क्रमापनसमयाचक्रगणेशकसिमायाधसचक्रिवाक्रमगश्रयकाजागरुनयाजात्रानाजयगपभाह
 यानासकसनअधिवासनखद्रुथनि॥ ॥धसकिदिनसश्रयलुक्रनकोदलिषदादभीविशानक्रुः
 यदिपातनजागश्रुमवावद्यदि४विनाअद्य
 दनासकसीभात्रदुयाअधिवासनयागुवलि
 प्रससग्वननागपपेकगवादिमाकधपनः
 मादिकलभाचनअग्रिष्टपनत्रुनाहनिमासकिपूजाकअलसाधनकथयगुसिमापविक्रमधपूजा
 धनकावकथयगुसिमायागहअनवलिपोहलपत्रपेडपाध्वलिविचक्रैगहायिकाथविदिगरस

सखीसिमापूजायागहन्धगुसिमायापूर्वसथागुसिमासपूजायागलाहामित्रकापविक्रमधदवपूजाद
 वगाहनिमिमासयधमोरुलारिषकथलिकाथयगुसिमायागभागाक्रवध्वनउपवपक्रमापनयास्य
 सिमायाजिउसिमासथाअसकलधगु
 जायाहागुस्वानवजासकनीपविक्रमपूजा
 यावलाश्रयववाशाजक्षरहानपूजादंदक
 ननाभुखिरदकधवियाअधिवासनयागनयापानिभ्रस्रववहानावाशायाकलदवना००दवना
 रगवानयाविश्वकर्म्यायाचउसूर्यायानामकायाधनसिमाकादयप्राखपूत्रायाकाविनायापुडगना

या वास्याजया कअपालिका पागया जवला हाथ कास्यं पत्रमं च यया नाम कायात्रा जायाना मकाया निमा
 थत्र सिमा कद संलि सिद्धा कं वलि नया (थलि वा क पूजा मधुल धिवा कि न का रं न पूजा क्रमा पत्र विन
 ऊनं समया च क धने उ नं सखा क्र नि ऊरु वि स ऊनं नाग प ग य कं श्रु य दि ग र पूजा या हा
 नया सिमा सवलिनय क श्रु य वास्या जया सिद्धा विन धनं ग ध व क ध स्या लि शो का सिया सागद
 का वास्या जन कात्र थत्र सिमा मो हया सा मिश्र ३६ सं गु द न य द क सं नं सात्र सिद्धा जाया हा
 सं गु द का वा जन थाना सा ना रुया म शे श्री अन गु लं थ न हया ध्या म न कृया लि उ नं ला ह या ध र्म धा उ
 मधुलया लि उ नं (थं थ स लभ शोत्रे नि धा ग या स्यं लभ स्यं काया मय श धाया कृया कि वा क स न या

३८

अका लि सा ख य सि मा क या वि धा प ति र

(पुनरुक्तिः)

गुवा हा म् ३ सं गु व द म् ४ था का वि न किं म् २ सं गु मि न् २ सा मि न् ३ शो का सि का ह्यो या दि ॥
 सच न् २३१ श्रु लु क १३ स पू न गु व क न या दि ऊ ज मा न अ वा हा या व द नं पू जा क न स पू जा जा व ध वा स
 कृ पा च क वि न या (थं पू र्व व न वि धि आ नि पू रि सि आ शोत्रे पू जा स म या च क ग ध व क थं नि
 ॥ ॥ सच न् २३१ श्रु लु क १३ च उ द मि वि आ ष न क र व ह स्य नि वा र थ क कृ द्रा पा ना ध
 न स प उ ध प चा रे पू जा या स हा म् स थ ग न या क भ ना क र क्र मा प न वा ना त्रु म ना रं नि सं हा म्
 न था ग न लि न द्रा पा सं गु मिं थि न व द्या वि या थ व २ आ रु वं ध न द व लि का या सा मि न स्यं क व या व हि वि
 स लं सि या न य न दि द्रा पा या गु क न भ लं ख न हा या पं ग व न हा या व हि वि य न दि ॥ ॥ ॥

वस १

कसवक्या॥

१५५ नवक्या॥
(गुनवक्या॥

सम्वत् २३१ मिनि अष्टक १९ स कसवक्या गुन अदि ज ज मान ०० ठुवा हाया धन पात पूजा कव सपू
 जा शाने पूर्ववग विधि कपावक्या गुन (थं) भामया सा हा घा त स जनु लपन अह पत्र पत्र व त्र मान दि गर म
 पूजा उ (थं) का हा अया म धुल धिना कि न ना व न पूजा विसर्जन भक्ति पूत्रि सि अ शाने पूजा
 समयावक्या गुन क क स न व क त्रि ग या दि ने ॥ ॥ सम्वत् २३१ मिनि अष्टक १९ या न ३२
 गुन क त्रि ग या दि ज ज मान ल ग न व द पूजा क ल स पूजा शाने यो स धा हा अ हा भाम स विधि
 या य गु पूर्ववग कपाया (थं) ॥ धुषे न २ गु न गु व क त्रि ग या ज ज मान अ स त्वा या व द सा रु गो पूजा
 क न पूजा विधि पूर्ववग कपाया (थं) भा हा अ ना भाम या सा हा घा त स जनु या गु दि गर म पत्र व त्र ल प ल
 भा कानि रति निज कृपा पना पति २

मिनि॥

१ मिनि ॥

(मिनि॥

१ सै २३१ मिनि अष्टक २ सै गु धा या प ति क या न दि का शान
नीनि कपा क दि विद्या ह ल निद्या क धा सा दि म द धा ल ३

अह पत्र नाय अरु न न स्य दि गर विधि पूर्ववग कपाया (थं) का हा अ या व ले वि या वा क पू जा म धुल धिना
 स्नान न ना व न पूजा क मा पे न वि भ र्जन (थं) लि भो भि प त्रि सि अ शाने नि फ क पूजा समयावक्या गुन क त्रि
 गु पूजा या नि फ क या न गु गु न गु व क त्रि ग या दि ॥ ॥ सम्वत् २३१ मिनि अष्टक २ मिनि गु
 व क त्रि ग या दि ज ज मान ल गे ध व द नाम अ या व श श या वि ना या के न वि धि शान या हा न या मि
 न गु व क त्रि कपा या प नि स न ना म अ ॥ ॥ धुषे न २ मिनि अष्टक २ मिनि गु
 मान अ वा हा या व द न स न ना म अ या व श श या वि ना या क न शो द य या न या ॥ ॥ धुषे न २ मिनि अष्टक २ मिनि गु
 व क त्रि ग या ज ज मान सै गु या व द गो पू जा वि धि मा क सै गु व द न स्य शो द य या हा पू जा पूर्ववग कपा या

सिखनवक निपा॥

ओका न्या॥

या(थै)॥ ॥थकू दू मिमसो न गुचक विनया ऊ जमानधी ३ महाना जाधी ३ ना ऊ उविकु मसा हा दव
याविनायाकन जादयया हा नयो पूजा सह माहू निज हू जो न चक विम विधिया यगु पथमचक निपा
(थविधिपूर्वव न काहा अया आहू नि वि यो उपा ध्या वं लि वि या मधु ल धि मा किं न ता न्या नि वाः
न च न पूजा क मो प न वि न ऊ न (थ लि भा नि पू वि स सि अ जा नै पू जा थं च्छ पो र स म या च क
गहचक गु वा हा ऊ हू या क नी कि मि अ प न क मा हा न मा मि क थं क च्छ नै प्र गु च क न याः
या थ नि ॥ ॥ स घ न २३ न मि नि श्र क कू र गिया पू र्वा षा ट न कू र स म वा च थ क दू क्रा पं ओ काः
सि द्धा क या पू जा क ले स पू जा जी ल वि धि (थै पू जा द व पू जा न्या च न स (थै वि क मि र्म अ हा पू जा द कू र्वा

४०

दं २ न सं अरु न पूजा या सं ल व हाना थन क मि प नि सं ओ का अ थ क नै सि ध य का ओ का या त न न्या न थो वा
श या त न न्या न पू जा सी कू प नि षा जी नै पू जा हा मा दि हू प न पं ७ वा र्थ स्व भ स नै गु न म धु न रि सः
मा दि क ल भ अ न अ ग्रे हू प न अ न्ना दू नि द व पू जा न्या च न स वि धि (थै (थै लि दि न या च्छा टि
२१ वं लो क मि र्म अ हा न पू जा दं २ द कू र्वा न सं थ न क मि द्वा ष कू ल नि न्या नो दि थ व ना लि
त्वा क च्छ वा २ मा हू १ कू भा हू हा पू जा या हा व न पे न्ना व अ व लो रु य रु नै गु वा हा स्व भै च्छ क नि
थो हा अ हा वा ज पो १ वि या ओ का या सा हा च्छा त स त न न्या न या हा ओ का खो ट (थ वि ओ का सी कू प नि षाः
या हा का हो अ या थो वा द व या क न न्या न वि धि (थै या हा थ अ हू र्वा ना आ हू नि वि या उ वा ध्या वा स

१ पिडवा स पूर्व नि सं या हा च्छ व नी त द कि र्वा व न ह त द कि पू र्वा ना ग प वि म प न ना ग उ रु न
धो या कू र्वा कू र्वा कू र्वा हा ग के १

४ कपदानश्च कुरु न ह मापे नि नि कुरु न क मावा र्य या ख जा म स लि त्वा
थ ह न यो ह नि कुरु वा किं क य या ह न ल का प ल इ या म न

२ ज्या वा हा या वृ क पा नि ग ण कृ पा प रि त्त

वा ले च रु वि भ नि व लि वि ल सा क पू जा भि यो इ नि म धु ल थि ना कि न ना ग्रा भि वा द च न प जा द कृ ण किः
रु नि स त्रा त क मा प न वि भ क्त न म य इ च्छ ग हा य का प व न र त्र व या क सि अ ग्रा न र स र वा र ना भि नि प
नि सि अ ग्रा ले म शू धी पू र्वा ष गु क न स ०० ॥ व ००
चु या या पू जा दि ॥ ॥ च क या न सि च क थ अ
न न न द स क न क न ज थ स द्वा रु क र न या द्राः
स न च के सि ध य क ल ॥ ॥ स नि ष ड् ड रु च उ थि ॥ ॥ स च्चे त २ ३ न च्छ ड् ड ३ त्रै ग वा न थ क न ना
य क व हि नि थ क या क गु न पू जा या हा दि गु वा हा थ क उ पा ध्या न व क या अ वि रु ष क मा चो य न व क या मी

॥ स च्चे त २ ३ न च्छ ड् ड ३ त्रै ग वा न थ क न ना
पा या प नी सि कि उ २ गु न या ज स न स या हा रु ना
प नि स र क र सि न ल म वा या ला मा रु या दा म
॥ स च्चे त २ ३ न च्छ ड् ड ३ त्रै ग वा न थ क न ना

४१

२ गु न च्छ व थ ॥

१ उ सा स न द या

ह र्षे न म रु या अ व रु ह र्षे न पू र्वा वा र्य ०० उ वा हा या ध न प नि द कि ना वा र्य ज्या वा हा या द वा न क प थि मा
वा र्य म्वा वा हा या व रु पा नि उ रु वा वा र्य क्वा थ वा हा या व ध शू गो ना वा र्य न व रु ना कि नि रु गो ना वा र्य म र्व
वा हा या हा शू म नि गो ना वा र्य गो ना वा र्य ल ग द
थ का नि प्पो र्वा क या थ का नि न किं र्भ र जा कि मा
या ल ह सि र्श ह न प स न नि या धी क रु ड् ड रु क
ल स पू जा वि धि र्थे थ लि थ का नि गु न म धु ल द न का व त म धु ल वा य का थ न च त्र म धु ल या र व क ना म धु
ल गु न या न दा ह ल पा म ला वा र्य क मा चो य नि ष र्भ र पा द पू जा मा ना श म्वा न पि थ दि पू जा म धु ल थि

रुद्रपदसुपना॥

लात्रा भिवान्द रुद्रा पूजा दगुस न्नचपंवा क गगन हक समयाचक्र गनचक्र गुत्र पूजायानादि ॥
 समवे २३ १ मिमिक्ष स कं १ वृद्ध वात्र मंगु आया उ निष्ठाया न रुद्र म न्नपदय कया न किशा याय न रुद्र क धुल
 या पाद स्मृपनया हादि न पूजा मय रु या द पा स थंगु रुद्र माल स विधिस रुद्रा नि रुद्रा ज्ञा रं स चन क
 ल म नाग च वलिपा १ विधि थं पूजा द व ना य ल स विधि थं पूजा थलि अ न पा ज हा पो र न १८ मिमिक्षा ६२
 था वा ग व ता १८ रुद्रा सि रुद्र ल ग व १८ क ल भ या लि उ न न या वि धि थं पूजा थलि क मिमिक्षा ग हा न प
 जा द र द रुद्रा न संत्रु न पा न व क्ता ना न अ धं रु म धु ल पा ना लि ध क या ग ल क १४ क या मि अ न क रुद्रा रुद्र म
 धु प या ल कि ध रुद्र द थं पू र्व क २ रुद्र द थं द कि ध क २ रुद्र द थं प धि रुद्र द थं उ रु न क २ रुद्रा पा म न
 क २

खला रुद्रा रुद्रा अ मि ना रु या क स थो गु म धु ल पा ना स मृग का ० सा न रुद्र न पू र्व प धि म न क १८ क
 द कि ध अ उ रु न व क १८ क दा ना वि रु ल का स्वा य न रुद्रि ल वा य व क १८ क न भ य ० ० ० न क १८ दा ना
 का स्वा य न वि रु ल थलि रुद्र क धु या न भू यो थ स पंच ग व क न भ ल ख न हा या पा द स्मृ प न द थ
 स ला न कं अ न पा ४ स्वि मि ल य कं रु थ स ल प ल अ रु प ल पंच न त्र पंचा म न पंच ग भे पंचा प धि सि रु
 द ल स्मृ प ना या संपं च पा प त्रा त्र पू जा ५ रुद्र माल स पू र्व द कि ध प धि म उ रु न हा ग व द ल पू जा
 उ थं रुद्र म्मो या सं रुद्रा न का प या थलि रुद्र ० ० ० न स द द पा नि या रुद्र अ न ना हा ला रु म प स उं द रुद्र वि
 नि रुद्रा हा रु पा द स्मृ प न हा ग व सि रुद्र द ल न संपा द स्मृ प न वि धि उ थं रुद्र पू र्व स १ पा द स्मृ प न रुद्र न अ न

नित्य १ गु पादस्य पनस्वगुत्रलाकं गुरुं दक्षिण १ पादस्य पन गुरुं पश्चिम २ स्वगु पादस्य पन अलिउ
 न पश्चिमयाम् काये १ २ गु पादस्य पन गुरुं उरु ३ १ पादस्य पन सहकं १ ४ पादस्य पन या हा विधिउ
 (थं) यधमो पादस्य पनया विधिस स्वयाँय ॥ मुका
 सिमाक क गु कृता हा अका पश्च ४ पादस्य नर्ध
 वियो वाक पूजा मय र्म र्म श्री पू त्रिगु पञ्च
 वन पूजा दक्षिण कीर्तन सत्राव क्रि सि आ स्वलक मा हान मा जिक सषादू गुरु विन कून (थं) लि भानि
 पू त्रि सि अ अ न पूजा गुरु म द प या पादस्य पन दिं ॥ ॥ ध्व क दू प नि म्मा या दि स नि नां ध्व क दू

(औरवाइवनाया॥

या ॐ ह्रीं सवद्वानथ कर्न आस्ताहृदि सगुया वहि त्रिस ॐ नानकानस वागु शु त्रिस द अ न यो यैः
 गखनदयका अ पूजा या क उ पा ध्या न अ कू या अ वि हर्ष पूजा प र्वा क न क न स स घन आदि नू न द गु प र
 न य ह्य म न र्प पूजा श ना गी न मू म्वा न म ह निः सा धन आदि ग ह क त्रिस मा दि द व कू जा ध न
 कु न ल ष्या पा ल १० द न का ध ना द न वि धि र्थेः द न का ध पू जा म धु ल थि त्रा कि न ना आ नि वा न
 थ न मू ला या र्थि ले न य का ल ग व र ग व १० द ४ द कू षा ४५ पि थो दि पू जा ५ गु न्या न कि स जि
 ग व १ द २ द कू षा थो या न ग व ३ ग व र खा व स न य का अ ह अ कू पू हा क न थ गु क थ न क म्पो वा र्थि पू र्वा वा र्थि द क
 षा वा र्थि प र्वा वा र्थि उ ल न वा र्थि थु लि सा द अ कू पू हा क न र्थि त्रिस घन न या वि न पू जा द कू षा घ न ष

त्रकाउपायाहायाखलकर्त्त २० सगुवदंउपाध्यायाकविनिश्याहा किमिषयताखत्रकंथाकिध्यायासगुवदं
 यापयताखलर्त्त १५ इमकालउपायाहाकमय इयाइमकान (गकसयाकिस्त्रिकत्रग्व १६ कृष्णमात्रविना
 याकज्जमानपनिमिसानमथाकपर्वीकम अहकद्रापासगुयाथकाविनाकाखत्रपेर्त्त
 गुयापिच्छुन किलासककोयागयापिउपाध्या सिर्कमगुयात्राजमूनि किलासककोयागयाभन ४४
 दधुन गवकवाहायापयताखलकयाथाका विनिस्त्रुन सगुयापयताखलकयात्रायक
 र्त्तनिच्छुन वाहिनमूलानार्यागानहन्याहा विउच्छुसिर्कमगुयागधिउपाध्यायागहनयाहा विअम
 ध्यावाहायाकजधनउपाध्यायागहनयेहा विअम दूगवहियाप्रमानदधपनिच्छुन (थलिस्मयाचक

॥ त्रवसाहाया ॥

वद ३

क्रमापनविभर्त्तन (थलिअजिमाध्यायाकसअयागधचक्र आखाखनायाच्छुन गालत्रागकामयइयाकस
 गुरुयापादसुपन आखालखनाच्छुद्र आखाखनादि ॥ ॥ श्रवकसू ५ त्रवसाहमयादि गजमानज
 मगधियौपिमअ केजिकनेविनायाहागलपू जाकत्रमषजावक गया (थविधिपूर्ववगभानि
 प्रविमिअ गालपूजा वलिखाधात्र द्यंधुकात्र गयायापूजामुन्वात्र थूक नूच कंथमखजोला
 गयादिनपूजा कर्मद्रापासु फुसुपन (थकत्रस पूजालपलअहपनेपेवनेन भानिपूत्रिमिअ
 गाल गजमानविनायाकपि ॥ ॥ समन २३ मिमिश्चकसू ५ वरुसगिवात्राणिदया दिमतिना
 थकद्रापालनभीकाया पलूकदयकोअ पूजायाकउपाध्या निमिक्कनित्यनाथे रुकात्रकत्यमद्विमि
 २ गीगावायपनिर्त्त कभकया तमाधक वसनमोधक ध्याविनायाकपनिककात्र गवकयाकिनिउ मखवाहाया लाशम

न ४

त्रवसाहायाका
 त्रवसाहायाका
 त्रवसाहायाका

॥ गोम ॥

विरुल कामनार्थं अस्मिन्दिन पूजनार्थं पल्लवातु नितं ३ पादि गावा वस्तु १ पूजा सिद्धाचन धर्मादया भला
 का अर्घ्यपातु ३ अर्घ्यपा १ स्वहा थवर लरु वधु अस जलु नया का उ का पवा १ गाल ३ उ च पा पा या न दय का
 गु पय ना या क गो प्ये ग स्व ना पूजा रु ना गु न म
 क शी ट क क भय ग द गु र ल सिधु न या आदि
 (थं पूजा, लेख स्व हा न या गु व रु दि क ना य ग ना
 ल द क स नै ज प या हा या ग न या हा वा ना सि ॥ विठु न म धु ल धि वा स क स नै कि न हा आ भि वा न स च न न या
 व न पूजा द गु स म्भ व क ल मे रि ध क म कू ट रि ध क थ न स क स नै द अ ज पा कि न नि ग्व १ द २ द कृ षा स क स्या

सिधु व गिय प चै क म्भ ह क आ खा स्व हा या प नित न ल हि क ल स म या व क क मा प न वि न र्ज्ञ न सी हा व
 (थं लिख हा न या गु ल अ क्रा हा म ला वा र्य आ दि सै के क स्या न का उ का प रु न या गु क र वा या थ थ ल रु स क
 स्या न क्रा न उ पा या हा म रु नि कि क ल द २ द रु षा
 कृ षा प हा व लि १ वि या थ न प च ना व या म रु षा ग
 हा वि ष स मे व रु गी न रु ल नि ल म ला वा र्य क म
 वि न नित्य का व य न प च र स च ग या नित्य का व य न अ क न ली प च न भा ग ना र्या दि ४ द स प नि मा १ द ४
 कृ स र्ग नित्य का य मा थ न द व क्रा हा च्छ र्ग का संप न कृ हा हा अ हा व रु अ स ना या थ व न न वि का य श या थ लि ज
 (अ क कि कि क ल २

नविक्रयाया॥

कथलिगधचकुभीकयादि॥ ॥सप्तमे२३॥मि श्रवकपु॥नविकायादिप्रगुवदलाशयनिया कसगु
वाहाद्रिसिआखलक माहानममि सुगुयापघाकया श्री ४थाकानिचकि श्री २०गात्र वस्था श्री २२यविकयायाथने
समयाचक गधचक॥ ॥धक दू दामनधु गनयाकलामाई दवरया क दयंजनु गनुगलगु
हाशपिनिगुंजनु गनुगल लामाई दव (ध) नयानधकन दवल सिलभूमगारु श्री १लकुने
पमानं नृभायमिद्वि श्री १सिधुगजयासिकः मिदुयसिल गवदलाशुध हाश यासिधु श्री सिल
नृकायं श्री १रुषावाहाया रुगनासिधु क सिपिसिल वेलाचन पुलो श्री दनगया दूध दयकाली सिया
अवाहायालवा चक्रया वनिया निम सगल नतमरुव श्री १उं कया विसूध्र दवेपनि संलं सिल सकस्या

४५

शिवविप्राअना॥

जथासर्दीलंसिल॥ ॥सप्तमे२३॥मि श्रवकपु॥दसगुजवावधकन पिधिपूजाआरा प्रापीलनिसि
आजालपूजापिधिपूजायामर्थे दवरया दुगुल्लगुगदयकं मरुनिदुगुलिंमगसिकमदु किसवि (अ)नो
गीकमधमं नृनित्रकवर्धु नमदू दव चवो पूर्व बुभयनी लुनिनिधं पूजा काचायकी
धनपूया नायवा रुनका हावमोहात्रिपूयोपू जाधसंलदुय क्रियाका क्रमापन विमं नृनि
सत्रिलाना आखयायाकोया रुया (थ)लिचनल षपूजागु नृमधुल रुक चवाचूपर किसवि
लानाहाया (थ)लिपासिक्क लमधि दिवो पवित्रि कहुगथलिधूनका अहानं नृनि संअयाअ किसविला
नाहयागुं धूपनयाना हातंसिआजालं विधि (थ)पूजागीकमधमं नृमादिनृनित्रकवर्धु मांमकीपूजा

देव

कमत्रागिर

न्यामलनादि॥

दवपूजा पूर्ववत्प्रयत्नी मधुलधिलास्वाननतात्राभिर्वागवतपूजा महानि च्यापसया १३ क म ह मि द व रु
ऊक नासमह निद प निरु म म्वात्र थन द व रु क्वा य च्छिया भै समय च कु द या गा त्र ल वि भ र्जन द व कि स विव
६ ग्वल ज वाहन या का कायो रुय थन थय श्रया ग ध व कु या सं अ हा से गु व ज या थ थ का विन
कि नी व लि पि या द का या द अ च्छया क उ य के न वि द व या थ स न या पू जा क रु क पि न य का गु ७०
क र्त्त य ना पि धि पू जा अ ना दि ॥ ॥ थ न रु से न्या स ल य न च्छ य ना रु उ या हा थ क नू थ नि ॥ ॥
१ सु म्ने न २ ३ न मि नि थि क क वू न व उ रु रु द न क रु जा दि ता वा व थ क कू वी ३ ल य व च्छे ल य म्मे धा उ वा गी ध व न
या न्या म ल ना दि पू जा सा मा गि मा क जी द य या सं ग या दि स गि हा अ म्मु म्मु प स उ रु सा ला क ना ग ना पू
न्या म पि का सं नि स न्या घ ल न्ना मि दा मि अ गु ना रु गु वा हा स गु व द धा पा ला न या दू २ व च्छि र यि ना का य श ना ३

रवनन श्री मा शं न या क वे भ व न लि का या भानि पू वि स इ न च्छ या न या ३ स
जा म य श या द पा स यां गु ऊ रु गा त र वि धि म्कि क स रु या कू ऊ रु ऊ ल वि धि आ द य या स रु क्रा पां रु ट कि
वा ना ग या थ लि वे ग र्वा द्रा पा यां लि का या व अ वा हा या ल वा ध न श र्म म्मे च रु या व नि या म न थ पि नि स म्मे
धि क वे ग र्वा द य को ग ल अ न्न आ म थ ना अ क्के य श या चो रु क्रा पा यां गु दि वि न य श या अ ना न्या म
क उ वि या व लि वा य गु रु स र वा स थ लि हा न दि द य का न्या म ल ना ना रि या घ रि र्से क्रा पां ना
म घ ल या थ स अ ना म ना क र्त्त य ३ प त्र पा अ न्या म घ त्र पू जा या य ल्हा वे वा च क या न थ का वि न कि
नि स स न व पू च का अ ल र व द्द धी त हा य का अ व भ ला या गु त्र वा हा श प नि द क्क स न म्मे ग ला व त धे प त्र वा द का
वा य थ हा न्या म घ ल न्या पि क या व ल क म्मा र्ग श म्म अ गि रु र्थि ऊ रु का अ च्छ म्मे र व द वा व ना त्र ज ल ला न क र्त्त रु
स ३

हया दवकुत्रा कडयका पूजा या धाम विद्यायका (थलि मन्त्रा सं गुप् मधुल द भदिगवात्रव नि स नूयायमान पव
 गव्य (मधन उपाद्या ह्रीं दि गव लिपा ५ वि से पूजा श्रुय थन वज्र धाद गु त्रि पाथ गवया थन सद्य रु ०० रु कत्र भना
 हाय कवसना गव विधि (थं पूजा (थ वि न्या भद्यत्र भविधि (थं पूजा ला हा गि न क्त विधि (थं पं लां यं मु
 रु (थलि वला श्रुय अ पंच वि भानि कान हा म् दव क् कनका अ रुट की वा ना स कनका अ को ग रुया
 म् लाचार्य नडा हा हा म् सने नाय अ क न स्वान मा लाजा हा अ सत पि का या म नु न जा प या ना न्या
 सद हा विद्या सलि स्व म् वज्र स विप द न अ हा रा श्रिया द टि र स अ मि ना रं नि सें हा म् दव रु हा स ल ना चा सः
 म् स्या चो ना अ ना रुट की वा ना स हा स ल ना को हा अ या थ अ र स्म स यो ना थ न अ नि सृ प न अ म् रु नि (थलि द
 उड पा अ अ रि ह र्ष क ना वा र्य अ रि ह र्ष श्री ह र्ष वज्र ह र्ष

६८

वडा अं जा म क म् नि सें वला द भ ना क या या हा विधि (थं थन अ मि ना रं नि सें हा म् दव रु प नि पा न पूजा दव ना रु
 नि पंच सृ कान अ मि ना रु या क कन का व ना य जा प या स सि रु न ल हा वज्र न सि रु यो अ स प नि सि रु व रु
 स्वा हा थन लि ब्रा रु नि उ पा धा र्वा सि व लि रु रु वि भानि वलि वि य श्रु ग हा य का (थलि वा क पूजा
 भिष्या धि वा स न म धु ल थि रा कि न ना न्ना भि वी म अ न पूजा द कृष्ण थन रा जा ना नी या म स्वान पंच वि
 भानि का पंच सृ कान न्या भद्य य या ल ख ज्ञा गे ग या थ का नि प म् रु स क स्या रि धु नि रु का वा धा नि स
 ला अ (थलि रु मा प न स पा रु नि वि स र्जन थन लि भ नि प रि सि अ जाल को मा नि पूजा म हा म य इ या क रु
 ग हा य का प च न रु वा सि अ जाल रु स स्वा रु ना म् रु शी पू ला स रु क व पूजा सृ ०० धा य रु ०० धा य रु सि द

प्राचीनविष्णुनाथयका॥

पूजागुवाहादि सि आखल माहान मासिक कससमयावक को जा गधवक धूमि न्या भलू नादि॥
थनले विनायाक रुजमानपनि सं गुवाहायान स्वसर्गवियामानयया अ उपाध्याहाया द मास अयास्व
ससार्न मंगलयाग॥ ॥ समिक नू ज रुचउ चिभान्निपुत्रि सि अ ऊ ल पूजा॥
समय २३० मि अरु क पूजा द भी र न धि न रु पुत्रि ग ध जा ग व द वा न थ क दू स गु या या
पुनि स्यात रुज मधुपस मात्रि विपना पञ्चा उ पुनि सत्रा पुनाय नायू २१२ वीयका पूजा
ज रु मधुपया द पास वा गु मधुल पा ना स पूजा कल न पूजा व लि पा न ग वि धि थ पूजा या सं पूर्व स मा लि
विपना प वायका पश्चिम स पुनि सत्रा पु नाय वायका मध्य स उ द्वा ष वी रूप ना प वायका दि ग र स प च द

४२

पद अ धन या ना॥

२ मि मि अरु क १३ स अ नि स्र प न या न सूर्य ग णि मि का या म न या का म सि क पूजा या का ग या थ गु मि न हा म या य॥
अपना प वायका व लि वि या म धु ल धि ना कि न ना थ म पूजा वि भ र्ज न व लि दि ग र ग य क थु या रु पा न रु
सखा स ग य का थू नि मा लि वि पु ना प वा य का वि धि ४॥ ॥ ह थ प नू शू य ला रु उ या सं थ दि न पू न थ
रु क पू या द भी व द वा न या दि न स प द अ ध न या ग व हि लि या अ धि त्य क न स वा गु दू दि स
सि धू ला च न पूजा वि धि थ मू ला वा र्थ क मा वा र्थ उ पा ध्या दि ग वा र्थ क मा न पा न ३ या प ल
रु ग या क स म र्क वि धि थ थ क न या अ पूजा श ना गी न मं च्वा न गु न म धु ल क स म स न द
व दा का त्र म हा स व न मू ला वा र्थ क मा वा र्थ उ पा ध्या या क ल द व ना प ति पा न पूजा क ज ल सा ध न थ न
आ दि ग रु क मू ला वा र्थ न रू पू धू व क स मा दि क मा वा र्थ न व रु वा ना ही स मा दि उ पा ध्या न व धु मे हा

व वा रु नि न प व न रे व

२ उ पा ध्या न ग वा न वा २ व वा २ पूजा या हा वा दू क रु यं क थ उ पा ध्या वा ३ मू ला वा र्थ वा २ मं प १ अ कि १ रु खा १ श गु जं ग १
१२ क मा वा र्थ वा २

प्राचलसमादियाहा दिग्वार्यापनिस्मादियाहा मरुचतुयात्रियागु (धवर दिगरमा मरुनजाययाय
 थलिकलेभावनथनउपाध्वाननार्गवापूजा भानिपू मयइ धा यवनरुत्रव रुसखा मइही पूर्वांशगु
 वाउ मूलाचार्याया कूलदवनावा ३ कर्माचार्याया वाउ पोध्याया वाउ अजाया वा १ थानि जार्गवा ३ वा ध्वान
 पूजा लोहाग्रील कारुलरिषक खानलाहाह यमा थलि सामकी पूजा लयाया ले १० दभका ३०
 धजहु मधुपसक्ताना गोत्रधनया पूजा विधिथं दवपूजा वाक पूजा मधुले थिला किननायन
 पूजादकृष्ण दणु सभेच मधुल छात्रद्यामन पत्रिकमन मिध्वत्रमिय पूजा योथस मेलामा इममवा
 ना धावामा के गया रिगत्रस भन्यसमादि स्वभक्त भजत मूव जाले चनाम धियाक मधिपर्यन थन
 भ

पक्षक भग्नरुह लहिक मूलाचार्याया पत्रिसा कर्माचार्याया पत्रिसा उपाध्याया पत्रिसा श्वन पूर्वचार्याया
 पत्रिसा श्वन सगुया थका निना क श्वन अका चिनाया क जजमान उकया विसंधुसा इह नपलननिः
 याल द्रुमि शसाह पसननिया श्री कृष्ण साह श्वन थलि धूमांता निस्वभक्त्या गुरु श्वन थनन
 कमख कखागोना समहनि किना दिग्वार्या पत्रिधवरवधु अस न गिया थन मूजा पूजाया
 संमूजान गिया गोत्र धनर सूर्य थनर धु कन धाहा अया पंचनात्र शी द्रा सें गहन खया गाहा
 प्रावहि त्रितया हा अया रु रु मधु पयास्मस ०० भान इ अ वद्धा हा अ ना जगमधु प कृष्ण उ ला पूर्व स्वः
 या जमानिका पेना लेखवलिपो १ विया मरुचगो धाहा नाना दनमस्कात्र चगाहमत्र लागमाला गीन

विश्वस्यामूह हलभिल कमनिका कटपादपूजां गीत लिखन कलिगद्रसर्प नित्यकात्रयन धनध
 अरुआसनसपल लाया दिगस्याचिद्रुवाया गुमात्रे ॥ लिउठनया आसनसर्प वाधन धूक मोरका
 दिगसमदा नकनया मारुका पूजा गीत अका नरैजान धनोले कर्म सन गुन मधुल संमादि
 गीत मधुमंजु निग्रे कं वरुन सं ४ दू देवचं वी मूलानित्यकात्रयन मधुल सं ॥ गीत पत्र मया ॥ ११
 श्लोक ॥ नित्यधीनरूपी दे ४ गीत ॥ कला ०० ॥ श्लोक यस्मान् ४ क ॥ श्लोक ॥ कंकला कू ४ गीत ॥ नमाधी
 हुन क ॥ श्लोक ॥ कंजागा ४ गीत ॥ कंक देह ॥ मूल श्लोक ॥ कालि यो ४ कर्म श्लोक ॥ वाधन कंजी ४ गीत नमः
 दू नृणां पादा ४ कर्म श्लोक ॥ ध्वस्त कंदर्प ४ गीत सपति मधुग ॥ मूल श्लोक ॥ कूटा माव ४ कर्म श्लोक ॥ वि

धपथि ४ मधुलनायक शून्यक ॥ कर्मनुका नृ ॥ गीत शून्यनिलजन दिगया पक्ष ॥ श्लोक ॥ लवजस
 त्रयादि ४ पू. द. प. उ. मूल उच्छुन गीत ॥ हाजर न निर्म ॥ मूल श्लोक ॥ यस्मान् ४ कर्म श्लोक ॥ नृणां व
 दिगा ४ धन गीत शाध्वन ॥ श्लोक ॥ लाविलि ॥ रगवन किं न समर्य ॥ मू ॥ कंका ने ॥ क ॥ ०० नि
 धान नित्य ॥ ॥ धनधनवास मूलानी कर्म लोदगुत्रि ॥ गीत अनिलो वक वरु ॥ नमः दू
 दवचवा ॥ ॥ कर्म उच्छुन ॥ गीत अग्नि नि ॥ नृणां स क वसा ॥ ॥ श्लोक ॥ कर्म सर्वनाथा
 त्यादि ४ पू. द. प. उ. ॥ कर्मनिका न ॥ मूल उच्छुन ॥ ॥ गीत नृमहि मधुल ॥ ॥ श्लोक ॥ वदधी ४
 ॥ नृणां स विधात्ता नृणां ॥ अं वज गि दू ॥ अपन मा मि सर्वनाथा गान्थादि ४ धन गीत किन किन ॥

विजागिष्ठ ४। पुनमा मिसर्वनथागनर्यादि॥ ॥ (श्रुत) ॥ श्रीमसिद्धिपायविमर्यादि॥ ॥
 गीगत्रिकिदुल॥ ॥ कर्मसपदसाधन॥ (श्रुत) ॥ उपाली ४॥ ॥ कर्मसुक्तदास्य॥ ॥
 मूलपुव॥ गीगत्रिकिदुल॥ मूल॥ (श्रुत) ॥ स्वप्रातिहिनत्तमकस्यादि॥ ॥
 मूलार्थार्थानवाक्यपन॥ ॥ पालसा ॥ सनविया॥ ॥ गाननवाक्यपनकात्रयन॥ ३२
 गानहृदय॥ गीगत्रिकिदुल॥ ॥ निः ॥ नवाक्यपनविधि॥ ॥ नदनकव्यासनो
 धिष्ठानेक्योग॥ ॥ मधुलयाकसेवलिपाक॥ विद्याअवलिश्रुया॥ पूनमधुलहमि (श्रुत) धन
 कात्रयन्॥ गानमधुमनगीगत्रिकिदुल॥ ॥ निः ॥ हमि (श्रुत) धन॥ ॥ गानमधुमन

॥ गीगत्रिकिदुल॥ (श्रुत) ॥ नवाक्यपनविधि॥ ॥ गानमधुमन॥ ॥ गानमधुमन॥ ॥
 गानमधुमन॥ गीगत्रिकिदुल॥ पूनकलभाधिवासनकात्रयन॥ गानमधुमन॥ गीगत्रिकिदुल॥
 ॥ गीगत्रिकिदुल॥ ॥ पूनकलभाधिवासनकात्रयन॥ गीगत्रिकिदुल॥ ॥ गीगत्रिकिदुल॥
 धिवासन॥ ॥ गीगत्रिकिदुल॥ ॥ गीगत्रिकिदुल॥ ॥ गीगत्रिकिदुल॥ ॥ गीगत्रिकिदुल॥
 लावायादिदभादिगावायापनिथलश्रु
 याकत्रमविदुलस्वयाअगात्रयनयलस्वयथैवविहिष्यामतादिगतविदिगसस्वयन
 यानेनयगीगत्रिकिदुल॥ गीगत्रिकिदुल॥ गीगत्रिकिदुल॥ गीगत्रिकिदुल॥ गीगत्रिकिदुल॥

गीतगोविन्द २

धनमधुलधिलाकिननाशनपूजाधनवाहिनद्विभुयागीतयकि कधुन धनसमयाचकग
 धनकंवल्लिभुयागीतचधुधमभा॥ कलखभुयगीतधमाभावि॥ ॥वल्लिअनिवहियाविषरु
 कलखअनिनुभावदधेनिक्किलोभथा क॥ ॥ॐनिपदभावनयाच्चनथमि॥
 ॥ पिपि कर्मधुलधयापूनधुयला रुउयानाथकेविनकिंमदयाअकायवाप्तन
 किंशयाशनधनद्रापाधुयलारुउषन थकावियाकलादयकलदुसपून थकावि
 नकिं किलासवानाहलधुलद्रापायाभमवान धननिधंथकाविनकिधमचकेसियाकलागन
 किंभावनकिंलाइपगियाकवानशुशु॥ॐसियाकलामदयाकिवासेशाच्चिन्नकिंधपिंशुशु॥

३४

इति गीता ॥

समवेत् ३१ मिनिअष्टक १४ भुक्वात्रधदद्रुधर्माधुमधुलधयापिपि कर्ममधुलधयादिनश
 याधदनुनमिमिधयकमरु॥ ॥समवेत् ३१ मिनिअष्टक १४ भुक्वात्रधदद्रुधर्माधुमधुलधयादिनश
 उखयंरखेधधर्माधुयापिपिधुयागडारु मधुपसअधिवासनद्रापांजुरुगोलसमधु
 लनिगुविमंजुरुमधुयाओलसंखखिपेवन उयकापेवसुकाकूमात्रीसुंकात्रउयका
 जग्यसमधुसैनिगुविमंजओलसंअष्टम मीलधानापिलासिहवद्वैवसिहवअगल
 सिहवउसिहवअपहलधेनालफद्यानाजुरुगोलसकाउकोपनहिनामधुलरुगुविमंजगनहि
 नाथेलिविधिसवानथसंघनपूधकवस॥ॐउकवससंघकमिककवसअलि॥ॐसायलीलमिप
 मधुलरु

देवमाहासर्वत्र नृपाधीना लह्यात्मपनया हा मया ३

[illegible]

हो पूर्व दा क्रो पोष्ठि उरु अण नेमह वायव्य
धिलेचान (थ) का कय याय धु मंलि क्रम मंसा
र्यन वज्र धु दगु त्रि दि गत्र पत्रैस मादिया

३३

निर्मल गुरु श्यावा वना पृथग्वा भयासीं लाहा निर्ल क्रापा संदिग रयाम न जा पया सं रुला निषेक मधुल
उयका नया कल भ फ र क फ जायां हो धन क मी चार्य न मोह का दिग र स फ र पूजा होने की लज फ र पूजा
लाहा निर्ल क्राप पं लां यं मु न दिग वि दिग सें थ लि मालि विष पें मो आदि वाय का गु सक
नौ पूजा धन दिग र स ह्य प ना या हाग या गु क ल स पूजा हा व ना पृथग्वा भ य ग व र फ क र
पूजा या य द क स ला हा निर्ल क्रा प पं लां यं मु न रु ला निषेक पृ व द क्रि प रि उ रु न जू य
अपरा वायं ॐ न प क र पूजां थ लि न्रा ध म स थ हा डा मा ल स व न आषा था पूजा वि धि थें पं प
ली यं मु न रु ला निषेक कं थ लि मालि निगु विष वि क म व पूजा लाहा निर्ल क्राप पं लां यं मु न रु ला

लिमालिचिपपैमोत्रादिवायकोमुसकः
लसपूजा लावनापय्यनोभयुग्वरफकर
नरुलाकेषकपृथ्वीदक्षिपयिउरुनजय

धनदंड १ पाठदिगविदिगविद्या २

अनिष्टपना॥

हिषकथन गङ्गालिप्यावाधाहास्यपत्रिकमधपूजालोहाविलका पृपलाद्यमुनरुलाहिषकथनउ
पाध्यावेउपौरविद्याचुगहायकावाक्यकामधुलचिलाकेगनात्राभितानवमपूजादकृष्णविर
भाकिप्यावांअनमामकीस्वनामहानेरुयापूजा यानाक्रमापनयासंदनाअयाकससमया
वक्रकाउलास्यावजितरदभलकद्रुयाविधिः ॥ ॥सम्वत् २२०॥मिनिअषादभुक्रय ३७
विपदाआदेपवात्रथक्क्रेधीस्वयवैवैलध म्मेधाहुवागीभूत्रेयापुनिकालकाकृमिजक
आत्रकृष्णमिष्टपनयाकाकथकनसकनाअधिवासनयादंगयासम्वनपात्रस्वनाकापाद्रुसम्वस्यी
७वास्यपूषताजिनद्वहलपाकसम्वसानगुमधुलपचगवाभोधनसिधत्रनयाथेनदिगवलिया
सम्वत्मानपयगिलवल्याआकापउगासत्रदिनाचामहेपुत्रिदिगाचार्यपनिवर्तुअसनीमिया२

३७

पान ४ वियवलिकुयसू००॥व००॥हासिद्वदआखापूजाअयमधुलचित्राखानननामसायार्यत्व
अध्याहुदगुत्रियाहाकसम्वसनसमादिथेलिसम्वनकंलभादिअली००॥सायलीलमियकयकनीपू
जालोहाविलकाविधिथैपूजापृपलाद्यमुनथ नलिमधुलसम्वपनायागुकलनआदिदि
गङ्गममपनायाहागुकलपूजानिनाअनवि धिथैपूजाद्यमुनथनलिम्वनिष्टपना
दिनयाचदिनकसचालिसअनिष्टपनायाहावि धिथैपूजाअन्नाकृमिथनलिपूलाशोपूजा
दवमाकृमिपयर्कथालिधर्मधाउमधुलपिहिकर्ममधुनिगुनिविधिथैलाहाविलकापृपलाद्यमु
नथलिकमोचार्यदिगाचार्यम्वपूजाहजद्वलनिअलसमयधारापूजाविधिज्ञानकंवाद्यपवगा

तथा न के कर्माचार्ययाचाम उपलिप्य वज्रघटु शंसं कृत्त कर्त्तय पाखा धा अं निसं पूजा अन लावनी
 आदि पूजा का क्रम नंद वर वया धा से लाया का या द थ ग ल पि थ ग ल ठं क पूजा अन पावन का हा अं ग
 ल उ अ नं थ न उ पा धा न कू था हा नं थो जाम नि जाग कर्माचार्ययाचाम प नि पा न
 पूजा विधि (थ पूर्ण लाघ मुग थ लि मू लाचार्य उ पा धा आ कृ नि वि य (थ लि ग कू था के उ ला व ३१
 य ध सं लि पा धा स द वा ला ख ग सं ले ख या का रं थ न लि क र्माचार्य ने मा लि वि पु का प्र प नि स
 ना प को प प पु ना प पू का या य हा नं पं च द भ द ना पं दि ग र स पू जा (थ लि कू रु म धु प द हा अं हा
 मारु का चार्म विधि थं ला हा निल का पूर्ण लाघ मुग थ न लि के य ध १० मि रं विधि थं ला हा निल का य

पं लाघ मुग थ न थ अ आ स न सं वा हा ख म स न आ कृ नि वि य द १००० द ल क्वि अ न अ हा ना द या स ह्मा
 कृ नि या य क स र्म द ना र वा क्क या य आ कृ नि ध स लि उ पा धा न खा सि व लि पि न स्म प न पं च डे विं
 नि व लि पा ग र ४ वि य कृ ग हा य क के मा चा र्थ न कू रु म धु प स व लि पा न ट था पा न वि
 य वि धि थं व लि पू जा थ न वा क्क पू जा च्छे य म धु ल थि ले कि न न पू धू या य व न पू जा द क
 हा कू मा य न या स र्वा सि व लि वि स कू न या स व लि कू या मु य रु कू हा य का प व न र वं वा य
 आ आ ल रू स खा ह नो आ नि पू वि सि आ आ ल पू जा मं रु थी पू ला स गु क ल आ ल (थ लि क स पा ल न या
 हा गु वा हा दि सि आ व ल मा हा न मा भि क अ नि स्म प न या दि क स या क्रि या धू नि ॥ ॥ थ न लि वि दि

३१ लाखा कृ नि या य

२॥ गायत्री ॥

गादक्षी साया गया ॥ ॥ हाने आषाढ शुक्ल १ गौरी स भि ग्राह कि जाले माक गाल लाल का अ स पवन पक्ष
मृजादि जूक दंष्ट्र पनाया से पू जा श ना गु व म धुल आदि पंचक म पू जा द व स नी पा व पू जा क ऊ ल
साधन ॥ मूलाचार्य कर्माचार्य उपाध्याय स्व
ना सम ह नि नि य उ पा न प द ॥ धन धन धन नि
जुदि ग्राह क गाल फोन का म धुल चिर का कि घ
गीत विष्णु स या व ह म धु वि न कू न द स स न र मा दि गीत अनिल क ल सा च ने गीत नून ले व धन अ
ग्रि ह्य पे गीत नि नि यो र्य अग्र दू ति मा म की पू जा गीत क म नि हा जे न द व पू जा मू लाचार्य । ने त्य का न
उपाध्याय ने व धन ने व पू जा या से न २

य न गीत न म ४ दू द व च ना अ व व ता वि (थ लि आ दू ति गीत कू लि न व जान दू ल स स न वा क य र प स ह
आ दू ति द य धन लि दि ग वा ले पा न उ पा ध्या वि य या वि म ज गी य क व सि ध वा ग क धू प का न य ना
ल हार प व ध वा हा य क या वि न य मू लाचार्य या मू ख उ को न स क र्माचार्य या मू म धो स
उपाध्याय या मू ज उ को न स पू र्वी चार्य या मू ज उ थ ध को न स से गु या थ का नि न कि ख उ थ ध
को न म न सं गीत कू ला ०० (थ लि वे धन न व दू य गीत स र्व व दू पू र्वी या य मू लाचार्य नि त्य
का न य न गीत हा ज र व र प र क म ग्रा ह क द भ च न क र्माचार्य नि त्य का न य न गीत नू व नि नि वा म का
नू उ पा ध्या नि त्य का न य न गीत ध न र पू र्वी चार्य नि त्य का न य न गीत व ज थो नि थं का नि दू न गीत नि

विनिशम ॥
रुनिशम

हंज कमाविपूजामस्तात्र (थलिमधुलधिप्रकि कनआनिर्वाग सुवनयेनेच न पूजाद कक्षा दगुसम
च. वाहे नाकभाकनाकाननिशुया गीतचकि कधुल समयाचकु विषा कनसै हावेगी नऊयेरमूः
जा नाय गीत सोदमसुनौ आसुमकोहाअया गधचकु गीत नऊजि वैलिशुय गी नऊदध
मभा उचि नशुय गी नधमो गावि ०० पथम होम नगीया कि याविधि ॥ ॥ १२
(थसगि निनस नूपा दधुक्र २ दि निपहा मयादाद्रि कि लां वा किला पूर्वव नक्र थूः
पनू (थविधियाय रु ना ॥ मेष रुया कपवन रु याया क रु सखोसै भानि पवी सै दिद्रि क्रियापू
को पूर्वव नउ (थयाय मां लरु ना ॥ ॥ थन लिखा पाठु क्रु ३ रु निय हामया हा पूजा सह
थक नूमेने ~~अथ~~ क्रिया नया हा २

माद्रिगालं विधि (थं विरु कलभादि दिगविदिगसस्यपनया रु ग्यागु कल दर्व पूजा (थलिअग्नि
सुपना अग्नी रु नि दवेपुशमधुल निगुलि विधि (थपूजा ला हाग्नि लका रु ला रिषकं थन दिगपू
जा अनया न पूकारु न द लधे निअलमालक का नय या रु क म्माचार्य या चामू लपू लिपूया
दिगभचार्य पां नेत्र त्रमकूटने प्रया चूठन कूसे अमिताली निसें नाचनी आदि प्य खाद कपू
जा दलच निअत्र न सवल वि य था था स ०० डा दिम जा धा द म लासा हा क से ने काय वा रु
नपंच नात्र दय कं प्य खाद्या कू जाल अ स ल सा ला या लि उ न अ ना मय रुया कं (थलि स वगी वेसि
गाल स था स २ ला के पो ल वलि वि य पवेन रु ना अरु प पा ना पू व स धा ना (थलि रु स खा अग्नि

२ थनेउपा था न पंच द गरी नि उ न दि म भा क्रियाया नी निम
मन अरु निविज

भा नि पू न क साय क पाखन क्का हा अन थामर द्वा इ द्वा स लोकपाल वलि पाष क्काय क्का हा अया
 ग उल अन ग च्चा क वा स लि थ हा अये पा वा स द्वा स्या ख न सं थ का वि न कि नी ल शाय काय मा
 लि वि उ ना प च्चा दि वाय को न या गु प्का थ न ऊ रू म धु प द्वा अ ना प च्चा नि सं मा र्का
 पू जा कि न व पू जा थ अ थ स या हा स्व म् सं नै त्रा द्वा नि वि य धु स लि क म्पा वा र्थ न व लि ३०
 पा न रू न वि य दि ग र स स्व हा थ लि पा हा अ या अ उ पा ध्वा न खा पि व लि वि य वा क्का प्का म
 सु ल थि ला कि न ना प्का यो हा अ्का द्वा नि क ल न या न म धु ल या न वि य माल स ह्मा द्वा नि या ई म धु ल
 क ल न स ना पा न न थि य क्का व न पू जा द्वा क्का स वा द्वा नि या ई वि स रू न खा सि व लि श्वा या क्का स अ

या पालन मय रू क्का हा का प व न रू ना मि अ का न रू स खा र ना भा नि पू नि लि अ का न द्वा क्रिया उ नि पू जा
 श्वा माल कि ला स (ग क्का ला धन म द्वा गी ना वा यो दि मा हा न मा जि क स क स्या न य द्वा थ द्वा कि ला
 या थ नि ॥ ॥ हा न वा जी स नि ला क्का नि का ल द्वा क्रिया उ नि वि धि पू र्व व क्का द य या ई
 म ला वा यो दि व रू अ स न न नि या पू जा श य गु न म धु ल व लि धु स लि दि ग व लि पा न उ न वि
 सं न य क न च्चा य प च्चा क रू पू जा क्का रू ल सा ध न आ गी वा यो या स च्चा य क न च्चा य स च्चा स्या म्पा
 न नि य च्चा दि ग रू क्का ल क्का य न दि न म स्का न वि थ स रू ना हा दि न मा क्का गी न या न पू जा प व ध्वा
 प य न (मा क्का कि या दि थ रू उ थ स म या य क्का गे न च्चा उ दि न धु म्पा नि य र्थ न स्व द्वा यो ना रू

१२७५१॥

१२७५१॥

या क्रिया विधिः ॥ धनलिङ्गाचारुमुक्क ७ चतुर्थहामयादा पूजाविधि पूर्ववत् क्रापाया (थं या यदि
वा पूजा अनदि धुं २ उ (थं स्वासिव उ पूजा स के रुने नित्यं मय श्रद्धा ग हाय का पवने रं नवरु सखा भानि
पूत्रि स उ (थं मरुती पूला स मु द्वि थं पूजा श्रुः या दिन श्रु या थं नौ ॥ धनलिङ्गाचीः
सति त्रादु नि ज्ञान वि धि पूर्व व न उ (थं क्रिः थं २ के म क्रिया या य ०० नि प दू ष नू ज या रूना ७१
या ॥ ॥ धनलिङ्गाचारुमुक्क ७ पेक्क म हामे या हा पूजा विधि पूर्व न क्रापाया (थं के म्मा वा
यदि गार्वा यदि ग पूजा अन भानि पू वि ध न अ भानि पू ल न का हा अ हा ग द्वा वा क उ अ न थ
न उ पा ध्वा न पा खा द्वा अ ज मो वि स वि धि मा क द न क म्म स स्व या या य थ के नू पा वि ण रु न या ३

का ग रु ल श ओ मा म रि दू उ दि व पू का पे च ग वा पे च मृ ग न हा या द व हा र्म मि म धु ले उ य का द
व नो पे वा क उ उ य का के रू म धु प या ०० भान अ ने म्मा प अ ला हा गि ल का अ लि म्म मा या रु लो
रि ध क थ न श्रु स रू व ल जा थ या श्रु म्मे धु प उ य के ध स लि क्रा पो ग या भ स न या श्रु
दु नि वि या ग उ ला अ पे ल स या के या ला क पा ल प ना मा ले वि पु ना व लि पू जा से क
नो उ (थं मा रु का के ल न पू जा उ (थं स म्मे श न नू दू नि ध स लि उ पा ध्वा न स्वा सि व लि
वि य क म्मे वा यो न श्रु म्मे धु प त नू दू दि ग स व लि पा ट वि य वा के पू जा म धु ल थि ला कि न ना
प ध्वा नू नि वा न स ग से द्वा या अ न पू जा द रू धा स पा दू नि वि से रू न या स स्वा सि व लि उ उ वि म

सिवालिक हात्र नित्रादि पूजा क्रिथं उर्थ थक दू पधिसवा नू उया थस थस थस थस थस थस थस थस
 या गया गया अक व विव कल जाल पूया गौ हा क्रिया क्रिया थुनि थलिपाल या अन धिनि ॥
 हात्र कने गौया गभिला दू निजाल ने ह्य प नाया स पूजा रुय विधि क्रिथं पूर्व वन
 गीत माल दू पूर्व वन मूजान निय क पय धा गहाय के भिला दू निदय पय स क मया ॥ ३२
 हक की मा ने पूजा मूजाल मधुल थिले किन न पय ध्याये वाही प्रस मया वक म हात्र
 गध व क ध मा मी नी पय के क्रि क्रि क्रिया विधि उर्थ हा दू पे न या हा मया हां यो थिनि ॥
 होमया ल किन ॥ ॥ खं ३ रुवा कन १२ वा क दू ३४ जा अ रु रु से मधुल स पूने वाच का रु रु पूर्व सव

चरम सगाम ॥

लय गज द क्रि ध स ध ज गज पथि म स व न गज उरु व स ख न गज वा का पया वलि वजा वलि वा का दू न
 द थ स व ज वा का वृ प्रि द व ग वा का थि क या हा गया मधुल निगु रि सै पूर्व व जे द क्रि हो व त प थि
 मय क पय उरु ये विध व ज वा का सि यो स न द दू स स स न वा को गया थुनि रु रु दू लु या थ
 स ॥ ॥ रु रु स स म मी ल वा के माल रु यो ॥ ॥ थ न लि पू न दू दू या रु रु या हा वा वा रु रु क
 उ स प व म हो म या हा पू जा विधि पूर्व व न दू यार थं माल क या य दि ग पू जा अन लि हा
 अ या आ दू नि व स स न वि य क म्मा वा र्थ न व लि पा न ६ दि ग र वि य उ पा ध्या न या हो अ या अ र वा
 सि व लि च रु वि ध नि व लि वि य वा क पू जा मय रु रु ग हा य का प व न रु व रि आ शी ल रु स

अक्षमहाम॥

नयाहादिकिलायाथनि॥ ॥थनलिवाठिसुगुगमानमदयागवगसनजथासुज्ञानसि
लाहमिज्ञातेससुवलाजगालेमदयागवगयांशुला पूजाथापनायासंपूजाशुना नदिनमसा
नादिगीकया हापूजाविधिपूर्ववगमूजापूजायासंमामाथसगुयकनेशुयस
गंवापूजायासंमामाथसगुयकनेशुयस
पूजापहासम्वलगीगनमईयापूलाचार्य
संपेवयाग्नीमैजानगियकं पवकभुगहकगीनहाजरुनधसुपेयावकगव
यकं कसद्रूपनराशीसंहामेयातायाथनि॥ ॥थनलिजाषाटसुक्रुसअक्षमदिनपून्या
जायासंमूजानगियागतामकूटनपयाजा
मादिसलम्वनअग्निथापनअग्निदेदेव ७४
निएकावयनपूजापूर्ववगमूजापूजाया
पवकभुगहकगीनहाजरुनधसुपेयावकगव
॥थनलिजाषाटसुक्रुसअक्षमदिनपून्या

याहोमयाहापूजासह्याकृमिज्ञालपूजाविधिपूर्ववगकापायांथथनलिद्रसम्वसनगुनमधुलजु
दिमालकविधियायदवपूजाधसालेकम्याचार्यदिमचार्यपद्व ११००चनिअल११००पक्षपगा
११००थनिज्ञालेज्ञालेअग्निमिगालेनेधे००हादि
सलंसालायालिउअंयाहात्रानेनिसेपिथः
पूलनकाहाअयाहेत्रवकालिसू००॥पूजा
हाअयपावांसलसंइकायजहुमधुपयापिनमासिपिपुगापगादिदगलाकेवालवलिविया
थनलिद्रहाअनामालकाकिलवपूजाथनलिस्वअसनंज्ञाकृमिवियधसंलेकम्याचार्यनवलिया

नमस्तस्मात्पूजाविधिर्धर्मस्थलिकर्मचार्यादिदिगिपूजाअत्रत्रिमिनाहन्निर्भंमालकपूजागलउल
अत्राध्यात्मिगलकृष्णकउलधर्मस्थलिकर्मचार्यादिदिगिपूजाअत्रत्रिमिनाहन्निर्भंमालकपूजागलउल
युगापेक्षादिदमलीकपालवलेविषयद्वार
वलाशुयअवपालिर्भं७कमिर्भं१रुहा
वपालिद्वाहापनापकमियागद्वाहाधे
लभ्यायात्रीनामेतिस्मृतेनयाधनलेवपो
नपूष्पकेलभसविभंत्रिमिनाहन्निर्भंगुह्रदवकनकाअत्रोसधनयनोअरुटकिवागासक
नकाअहानकनहयामलाचार्यानेखानमालागायत्रुगुवजेओनेमकननपूसेखसनेपति

सुमरुनजापयायधर्मस्थलिकर्मचार्यादिदिगिपूजाअत्रत्रिमिनाहन्निर्भंमालकपूजागलउल
कखायकागायत्रुगुनलहापेक्षादिधकवियाध्यात्मिगलकृष्णकउलधर्मस्थलिकर्मचार्यादिदिगिपूजाअत्रत्रिमिनाहन्निर्भंमालकपूजागलउल
चार्यवजनोस्मृतेनयाधनलेवपो
वजनमिष्ट्याअसूपनिहिगवअस्वाहा॥
पेक्षादिधकवियाध्यात्मिगलकृष्णकउलधर्मस्थलिकर्मचार्यादिदिगिपूजाअत्रत्रिमिनाहन्निर्भंमालकपूजागलउल
हहास्रसाकंमालविधिसमर्प७धर्मस्थलिकर्मचार्यादिदिगिपूजाअत्रत्रिमिनाहन्निर्भंमालकपूजागलउल
लिधकवियाध्यात्मिगलकृष्णकउलधर्मस्थलिकर्मचार्यादिदिगिपूजाअत्रत्रिमिनाहन्निर्भंमालकपूजागलउल

अथाग्रिमिना रुया द अथाग इलिस यधमो न हाया थ अस्तु सैस्व श्री आठा अग्रिमिना हं नि स प्यखा
आविधि धे धं पूजा नि लां जन ला हा मिल का स नान द व ना दू मि या ठं हा म् दे वं रु टा के वा गा धे
क स ना पा न न धि य क न दू या रु ला लि धे क र्प ला दी म् रु न थं न लि न्ना कू मि वि या स्त व
स न ध न क म्मा वा र्थ न व लि षो न रु वि या उ पो ध्वा न यो हा अ या अ स्वा सि व लि च उः ७१
वि न नि व लि वि य वा कु पू जा थ न हा न मि च्छा ग हा य को प व न रु न व सि अ म् जो र्ण
रु स स्वा र ना भा नि पू रि सि अ म् जो र्ण पू जा स ० ॥ व ० ॥ अ हा सि द्ध पू जा दू या मं श जी प ला
मं गु क ल जी र्ण पा ष स थान था ग म् ध न क न वी न क न जी र्ण पू जा ध लि स गु या थो का वि प र्णा

लेवा न वा न नायक २
 कया विधा का विन कि पमूर्ष लक्ष्मी ना वा दि था या रा सिद्धि वि ना या क सा दू श प नि द र्क प ज्ञा व य
 रूप नि स गु मि के मि रु या व्य ष सा मि द र्क प स का ज्ञान का निष्ठा धि वा स न म धु ल धि ल का कि न
 ना य द्वा यो न लो क धे ले ज थ स द्वा द क
 गल क्रा स क न र्क वि या म धु ल वि भ र्ज नः
 धी व रु द क्क ध नै धे वा जो वा नी या न स्त्रान
 च का नि स ना व स षा दू गि या दै वि भ र्ज न या दा म धु ले नि गु लि वि स र्ज न या दा धे लि मू ला वा
 र्थ नि स क ल द्वा ना दि ग्ग वा यो दि माल क्क कं ल स ल व द्वा ना धे लि म धु ल या व र्ज सि ने न
 ख दु घ वु त्रु स ह मि का र्प व ल क्रा स ध र्म पू धु लि पा थ या दा ग या गु द क्क स मा फ या ना ४

अकन पूजा रुत वनि अग्वे एसा इ इ इ म ॐ गाल मा क की त्रय या हे क ल भ ध का वि त्र व द्वा ना
 द क वा य ध न के पे व ना य ध न के द व द्वा ना क उ ला व म य इ इ व वा ने क उ ला व अग्नि पू र्ण
 हा भानि पू र्ण उ ना भानि पू र्ण न का हा अया अ रु वा ध सि हा स दिन दा वि ना
 अ नू द ल प द्म उ अ या अ कि न स म ध स ध र्म ध उ म धु ल या क र स अ अ स पि ७२
 धि के म म धु ल या क र म ख अ स वि द्वा क क ल भ ध ३ क ल स की ख के लो प ना या हा
 इ ग्वे २ न अ ना ग लो प ना या ना पू र्ण मा ला २ व नि अ २ न या पू र्ण रु त र को प य का अ अ न का
 दिन व ना ग या हा व ना फ क या सें खान न या वि धि (थे पू र्ण क म र म्पा म नु न खान जा प वे वे वि २

या २

या हा ना य रा प या हा अ अ र्घ या हा कि न ना मु नि ॥ ध न लि ले ख न क ल ध न का व न इ र स रु व ले ख न
 मि र वा पि ह्व ग्व ल या ले ख ध न का अ ना य अ क न द्वा हा खान ना न र ना प या हा वे ना दि व य के उ गु ला
 न क ल भ ध हा अ न के ले ख उ य नि गु रि स ले ख पा प व थ ना अ गु न म धु ल व लि पा ग वि
 य नू द ल प द्म अ या अ लो प ना या हे वि धि (थे पू र्ण वि भ र्ज न या हे क र स लि न ह य पा रा
 स व र्ज या ध स इ आ ला ष न स न ख या अ ह य इ रू म धु प स य न म धु ल स नू द ल प द्म अ
 या अ कि क १ नि गु रि स न या अ हा न म धु ल या क र स गु न म धु ल व लि पा वि या पू र्ण क ल भ नि व
 ले पू र्ण पू र्ण लो ध नु न म धु ल धि न खान न न वि भ र्ज न व न पू र्ण क मा पे न क ल भ वि स र्ज न या हे क र स

नयकवश्यात्रजयकायाथुनि॥

॥थनलिसयकोमात्रिविज्ञानकयानपूजापञ्चकूमपूजा

विधि(थे)सुपनायायेगीनमसात्रपूजाइयगुत्रमधुललेखवलिविभर्जन(थे)लेपयकूमआदिपू
जाविधि(थे)थनमधुलससिधेयलवजवात्रा
मधुलपत्रिकुमनपूजा(थे)लेत्रपूजाभान
(थे)पूजाथनदेवयानिपात्रपूजाकञ्जलसाध
पूजाआपेजाविधि(थे)थनसयकेमात्रियानवकुशनहैलखयावकुननियकाओहयावजयाइ
सुसदेआल्यारवमसंसयकमात्रीयानवल्लिपियास्वस्तिकसगर्भलेखयाअवसांलायासयकमा

हिमधुलयायावमधुलयापूजान्याभयासं
वालिनदोवलिवियद्युगहायकवलिविधि
नआदिमहकठिसेमादिसुखनेमामकी

१०

स्वस्तिकानपदयान ३

त्रीविज्ञानकाजहूमधुपसकूमामियागदकलिलारुलगयाअप्रादपूजायाहासदंभुलससलवनिइ
आसंखदिजायाअकमात्रीविज्ञानकाथनसयकमात्रिस्वाननसंतावनधूपनिलाऊनलोहाग्रीव
काथनकपनासपालिहोअपैकाओदंभुसंसा
लनउयकेपूष्यमजाननियककधूपकन
धूमिहाननियकथनमलाचार्यनस्वानमाला
अमलाचार्यनसिधुमस्वानजाननीजापसयकमात्रीनिसंमलाचार्ययाथल(थे)गुस्वानमालामा
वथनस्वानद्यानैवशसकवधवापूष्यन्याभसरुनलयथनलिकुमात्रीयानहाऊनहुवाचक
स्वानमालामालेहिनक १

मूलाचार्यादिसकवर्गशोजनहुवाचकसयकमारीयानआगधवृषंपेवशासकायकधस्त्रजाविया॥
 धनवक्त्रकसग्राहकसहशोजनमूवृजालेथलिकमारीयाहृशकलखश्रुयथनथकाविनमः
 धुलधिमकिगनसगतश्रुयधनपूजाककः ॥ धनदेगुससर्वसकलसनीसइकमारी
 दर्शनयायश्रुधसद्विदकलाश्रुयसकनेह ॥ स्नानवियथनवाहीयेनदिनकभगाकववि ११
 सऊनयासंसयकमारीयानहृश १ हुवाचक
 मारिसअनकसवलास्नानकायाविहाअयस्वयहवेत्ययासगिहृयोसइकमारीविज्ञानका
 याथमि॥ ॥ धनविलाकाहययाविधिसमर्कशानययाहृवृशशेयगीनमधममूदवय

मिषात्रपूजाकअवसाधनआदिअहकसिसमादिगीनखनिलमामकीपूजात्रकवर्गधापूजानमः
 हृदवचवागीननमामिभोकिपूयाथलिमूलाचार्यमधुलसंभाहअनानित्यकात्रयनगीनधिर
 वनहविश्रकनवासर्वनथागगा ५ काहा
 यधनगीनपुमादिग ६ धाकनित्यनीकलम्पे
 टपूजासधुलधिलकिगनासग्वनश्रुयाद
 वलियुधमरागकायकेअनकवश्रुयाधलासकायाविपनधियालिसोषनकाअधविज्ञानयका
 गालज्ञानकागीनकलावलिश्रुयागीनवकुयमभीश्रुवरागउच्छिगश्रुयागीनधूमाम्निविष
 मूलपूजामीनहाहाहनेनकमात्र १

॥ ३३ ॥

चकाज सचवलिवियपाल बागयक थलालकाय गालकागक मूलाचार्य मधुलसथा हाअठानित्यकायथन
गीनयमादिन थलिलमालसा कशमानयायथासुद्धाजगीन मालकयाय थलित्यकाविरवमामधुलधि
लकगीन द्विविनिथनखमामधुलविसर्जन
वाय्यादि स्वसद्यनवियपामक नदिपदानया
द्वदानमोथाथुमिली कुरुनयादायाद्वान ॥
नविसंप्रजादं जं माहकापूजाधुनयाथुत्रि ॥
रूयादपासंवागुमधुपागास विधिसहस्रादु गिरु रू शीलं सग्वनकलसनागध पंचगव ॥ वासं गुनम

गुनयागु सचवियसिद्धपालहिनकं थनमूला
नकं गाललिह्याय नोवाय खानककाय मूरवस १२
॥ आवाटेलु क११ गुनमधुलवात्रेपान

॥ सम्वत् २३१ आषाढ शु क१२ वदुधियापूजामगुज

धुलसिमादि कलभयन अग्नित्पनन प्रुनरु नि शायजा शोसा लाहयापिंथा पूजा प्यखाया पूजादव
गाहनि सहसाहनि माहकापूजाद भकाध पूजामात्री विसनापपानिनापनाप उ पिष विरयापनाप
पकदभपनापपूजा वाकु पूजाज रुसालाप
दानकिनागकसु आभिवान सनपूजादक
भर्जननास शोसालागयाई २ आषाया आषा
यक श्रुया पंचदपनामात्री विपना उषीष विरयापनाप पनिस वापनाप नृह माहका दभकाह वि
भर्जनयासे थवर सुस भगयक न श्रुयापिगीपनिग्व १ कलपूजाविया श्रुयां भानिपूत्रिहिअजालेपू

वापवावपूजा मधुलधिवा किगना पू धी दीपः
भाकिर निसवाअ (अषाह नि सहसा रु रु वि
लसं गयक श्रुया भानिपूथा भानिपूत्री सगः

जा क्रुससमयात्रक गधवकु च उथीया नायाथमि॥

॥ श्यायाहागन्या भपिका संनिर्सीहामनूतनुना

जगुवाहा अश्यापाला कअ वचि २ ०० क्षाकाल न्या भनूत्त पद्रु नैरा जगुवाहा श्यापाला वचि अनलिदक श्या

मि गुवाहा वुवा स गुव दचुवा व्यापालि चुवा स गु

पात्राक मया हाने दसखने नि संयात्रामिदा

मि संया काय म द ध क क्षात्रा जगुवा हा व्यापात्रि १३

वदस गु श्यामि संया गुकाया ध का मे मे श्याप

या १ जगुवाहा २ कर्माचार्य चुवा ३ पा ४ १ चु

मानय श्या चु वा स गुव दवित्र वा जगुवाहा

वाहा गये क्षाकाल वपालि दक्षे स्यातां ०० क्षाकाल श्याया द क्रु क्षा जाकि रुल रुत्र प ना प क स्वा म नि

सना अ द क्ष थ गु क थ हा ग थ य माल श्याया हा ग ०० क्षा या ध थ ॥

॥ सप्त ग २ ३ १ त्रा पा र गु क १३

यचिंलिना॥

यचिंलिना पूजा कल भ पूजा वापा स ग या ग या गु द अपि न का या पू जा या हा स ग व न कल भ म न प त ग य

थापि ग व र द य क पू जा म ह नि रु या द व पू जा म धु ल धि रा आ भि र्वा न द क्रु क्षा पू जा गु वा हा कि ला स था क

मि त्रा ज मा सि न कि र्वा २ च्छा चि भ न रु न द व वि भ

ध का त्रि स गु या ध म व क सि रु ०० सि ला श प

ऊन या हा द व कि भ वि अ श्याया क्रि आ व उ वि

या गु कि साने न या ग ध स ग य क क्षु या मू श्या स

गु द या क न य क क्षु या श्या गु श्या प्र ना स गु न य

क क्षु या क्षा मि पू श्या क्षा मि पू वि ग य क क्षु या गु क

ध्वनी या गु कल ल स ग या नि ग या अ ऊ त्रा अ न प नू य न ध क न या पू जा या क त्रा जगुवा हा थ क थ नि

ध का थ क नै जाल स ना स पू जा पू जा या क उ पा क्षा अ वि ह र्ष पू जा प र्ष क न गु वा हा कि ला स था क

पय नाखल द कं नास मह निनि कं मि सा न आखल स इ न म काया पंच गा य द झा हा मा काया पत्रिक म न प द
 जूदि अ ह क उि सु मा दि । झा पू जा वि अ दि पू जा म धु ल थि ना क मा य न आ नि वि न व न पू जा द क र्मा मि न्धा
 नि ना ना स मह नि नि ना प च्छ दं न ग ह क ल हि प नि मू ला चार्य या म नू क र्मा चार्य या म नू उ पा
 ध्या या म नू थ का त्रि प र्ण वा हे त्र ज ज मान स म या च क वि ष क्री न ग व च क ॥ थ क दू ला मा १४
 रू ला हा वि अ न ली ह र्ष या न न का १ १ रू ला ग प १ गी मा रू वि त्र ना ज गु वा हा थ क या न न का
 १० रू ला प १ अ वि ह र्ष या न न का १० रू ला प १ व ज ह र्ष या न न का १० रू ला प १ ला मा रू वि त्र द व प्य न रू
 द क र्मा मो ह ४ चू या वि अ न च्वा वा हा व र्ज पा ति ला मा रू या रू २ ख रि वा क म र्मा ला न अ वा ना अ ना वा

न थ व ल ग न ध क त्रा मा रू ध या मो ह १ द क र्मा व र्ज या ति या न वि या ह ल स गु था या प नि लु गु वा हा या मा क
 कि ला क र्मा या न ल सि थ अ सं नि सं म ध न य या न गु वि मा न उ पा ख च्च मा क प नि लु या न प णी मा क या न वि
 या ला मा रू पि नि म र्थ मा क क र्मा कि या धू न का अ ला मा रू लि हा वि अ दि ॥ ॥ न वि लि ना
 या स म या च क क उ वा ग ल च क कि ला स (गः क प य ना ख ल क म थ्वा क नु वि लि ना धू न या ।
 थ नि ॥ ॥ स म न २३ न मि नि ज्ञा षा रु न क १ अ आ ख नि ना द्वा पां दि र्थ र या गु ज्ञा षा व उः
 वा १ वि सं ध न का अ द स न स्यां व धु अ स न क्रि या अ स क र्मा ना स मह नि नि ना अ ग न न षू स व लि पा
 न १ वि या न दि न म ४ स्का त्र वि ष स ना न ह कू प र्णी न या ना मू ला चार्य दि द स न स्यां व ज य धु ज्ञा सं

अ वा नि ना ॥

दशमि भा १६ ४ नचकार

धातुना पंचना व सहिर्न धनम लाचार्यनित्य कान यन गौ न द्विनि खल चिच्छा क उला ॥ १५ ॥
पुत्रादि रं हाने आ द्वा दाखल चिच्छा खाल स द्वा डे हा थ व र ल ल ल न गा दया न च्छा य प म क्र ना
ल सहिर्न धन लि उ पा ध्या न पूजा पंचा क म पूजा वंज सि द्विनि न नो थ स्व स्म न वि न र्ज न
पूजा धर्म विधि र्थ प लि कु म ल पूजा प च्छा ग व आ दि धा रु क रि ल मा दि क ल सा द्य न था १७
पूजा विधि र्थ पि धा दि पूजा म धु ल थिला कि न ना त्रा मि द्वा न व न पूजा द क धी दं गु स म
व धन प च्छा क ध धा रु क व हि य म ल क म उ पा ध्या य म नू न न न लि स गु या धा का वि धा नि न्ने ४
वा हि न प य ना ष ल क या थ का वि धा नि स म यो च क रु मा प न वि न र्ज न थ व र ल र व ल अस का या द

४ द क धा स क र्पा गु न्या न थ लि धा द्वा पा का क च्छा धा स ग य क च्छा रु स ग ध व क आ मा लि ना चा
न थ मि ॥ ॥ ध व नू मा ह र क र्मि दि म चार्य या न प सा ला मा र्श वे या ह ल ध क ध क रु विल च्छा पा मा
ह र क र्मि विल ॥ प य ना ख ल क या न द य प उ न ल न का ३ उ पा ध्या या ख ल क या न स गु या
पि न न का ३ नि ष ल या न विल ॥ ॥ पंच ना व न अ रु या च्छा क ल स गु या च्छा क ल नि व
ल क न च्छा ष ल रु या द या आ गु दू नी सि द्ध र ल ॥ ॥ स च न र ३ न मि नि आ षा रु क पु र
गु क र्म गी स अं ज ना अ ना पू जा सि ध ना द्य न पू जा या क म ला चार्य कि ल स थि र्क गु वा हा य ना मि र्क
ग स गु या थ का वि र्क ४ नो कान कि १ प च्छा क ध ल हि य म न क म उ पा पू र्वा धा का वि ना क स म या

अथ नाना ॥

आर्य २

यकं गधवकु धमाज्ञा निमखल ब धी नथय नावन ज्ञा गायथू नि ॥

॥सप्तम २३१ ज्ञावाटकपुत्र

शुद्धमधुपल अर्नदनापेखेद्यानया नापयकदथसाध्यानया अर्नदना अलविद्यानया ॥ कमिर्नऊना

ग्रीष्मपालकपति लाहनामी पद्मचन्द्राक्ष

शकमिनायक मधुनलसगुसंशदासिधयका

काहाअलसिपाकनिगका३०विल॥ ॥

लघुनर २३० मिनित्राघारकप्ल ४ सवलाविः १७

लघुवादाद्वक् मागश्रपनिक्लिग्वक्कस

गुवदनी ४५ गुन किं कर वागल मल कर्मा।

उपो वजिकूलर वाकि वजिकून १ धूपदहकटचा मधुलपाना गुवाहा रूप निपंसा पचात्र पूजा

समायास्यपनिसेंगुवाहामाजश सेगुवदसेगुनकिंसकवर्गखलाग्व १ प ॥ विल ॥

२५ लो विद्या

४ पञ्चमयशास्त्र

धनलि विधि मालक जात्रयथाहा गुन स्या मधुलस न्या विद्रु कल लव क्का ठा थलि गु न्या रु स अ

यापूजापञ्चकं नृणां कृणुवाहमागच्छ संतु वदने किं लहि यं मला कमी उपा पूर्वा संतु याचक

त्रिपेति समयावकु गुनूयाने ऊ ऊ मानयान

४३ संखनखसयविल गुनन ग व द क या

कन्युनया नहुअगु ३५ काली कर्मउपा

ध्याय नैउं लिं धनि गु नूत्तयायाच्चा न ॥ ॥

ॐ निशीत्तयं लसेत्यधर्मिष्ठा उवागी शृजया

जि (क्ष) द्वाव दया नाया नसि च्छिका नसि साल

हयो निसी पविष्टा संपूष्ट्या दया द्युगल वाहालया वेजा वाय्यचक्र पानिना लिक्थया नयास्य

कयाश्च गोम्वं वलं सीमा ला अनसा स्वयं वं च ह्य कित्त्वा श्या अं न सा या नि मि लि न वा स न क या श्च यो

कुत्रया ॥

श्री ३ राजकुलविक्रममहा राजाया पत्नी स पुनि शास्त्री पूरुया क मूला वाय्य वायक वहि मया था क कर्मा
 वाय्य न अ कया व ऊ हर्ष उ पाष्मा न अ कया अ वि हर्ष पू वी वाय्य के ला यथा धन पति द क्रि म् वाय्य म्वाः
 वा हा यो द वा न द प श्रि मा वाय्य ज्वा वा हा यो व ऊ पा नि उ रु वा वाय्य क थ वा हा या व ध श गी ना
 वाय्य न अ कया जि ने नु गी ना वाय्य म ख वा हा या हा श मू ति गी ना वाय्य ल ग न या ले वि के न ११
 थ गि दे व दि म् वाय्य थ न लि च वा पो ना प मि र्व म् गु या था क श्रि न अ कया म नि के म् वा वाय्य
 क क या ग या क न द थ क गु वा हा वि के धि उ पाष्मा का क या म् मि के म् गु या वा श मू ति थ न लि मा मि
 क अ वा हा य वा क्क ह्वा न पू र्ण मा मि क अ उ वा हा या था क् मा हा न ज्वा वा हा या क्क पा धि मा हा न रु ग
 १ म य र ह्वा न हा य क्क गु वा हा मा मि क ह्वा न पू र्ण था क्क व च्छि २ व लि वि य् क्क पा नि क श्रि न्वा म पि का या नि र्व द्ध

वा हा या हा श प नि मा हा न द र्ग व हि या हा श प नि मा हा न श्र क या ध मा न द ॥ थ न लि म् ला वाय्य या
 न ह न या क सि र्व म् गु या न धि क उ पाष्मा या न ह यो क्क वा वा हा या क्क ध न द र्ग व हि या प न मा न द
 थ क गु वा हा प य ना व ल अ क्क म ख वा हा ल या हा श म न ल ग न या ज्वा ल उ रु उ रु थ क्क अ म्
 क्क थ वा हा या व रु म नि म ख वा हा या ल लि ग न द ध नि म् रु रु क्क अ प च्छि वा हा य क न
 अ म् पू वी वाय्य या त्व प्का य र्ग नि नि यो विः थ रु उ पू र्ण म वि ना या क ल ग न या व द व ध
 क न वि ना या क्क उ क या सा क्क वि सृ धु रु न प स न नि या ल क्क सि र्प स न नि यो श्री क्क सा क्क थ
 म २ यो सा क्क र्प नि सी चि ना या ना स्त र्ग र्ग ल प या प नि स्त नि वि द्धि सि द्ध रु अ ॥ ॥ शु र्ग ॥

३ दिना वाय्य पद्म र्ग ना प च्छु क्क २ मा रे

१ सम्वत् २३१ मिति नूषार कषू १ अउ वाहा वद शन सनि गुरु च क न आय मरु सिं दू न गुरु वद
 न आय मरु या स क ता पूजा पुनिषा ध का अ न क न या या लि पि गु पूजा या अदि म ल न पूजा क न
 न पूजा की ली आनि पू वि सि आ की ली पूजा गु वा हा द न दि ग म वा र्थ मा हा न मा मि क स र ग
 वद की ४ सा मि की ३ क मि की ३ मा हा न की २ स र ग मि की २ स म या व क न व क अउ वा हा १८
 या व द र्वा चि अ या पूजा या अदि ॥ ॥

१ सम्वत् २३१ नूषार कषू १ स र ग या या अ सि हि ला या पु नि षा ध न का अ क मि ना या की अ हा
 न स या हा चि २ अ या अ द क्रा ना ख र्व दाम न ना गु वि त्र न का अ स र ग या न प व प वा व पूजा
 १ आनि पू वि सि आ की ली पूजा क मा या य मा व द द की नू प वा व द की मा प या न मा ल
 ध क पूजा या क दि पूजा या क क मि ना न क या गु वा हा र्थ ॥ ॥ स २३१ न व
 आ व ध नु क द ह वि मा हां सा व डि मा हां या स र ग या या न सि ध न म ध न व वि ना या क हा या
 मा हा न म द वि ना या क प व मा न ध क मा हा ना या क धा की वि ना या क न धा की वि ना वि वा ल
 या हा वा पि मा हा नि न स या हा चि २ अ या अ स र ग या या क स र व द थ पूजा या अ जि उ म जि उ व म

गलधमनूचाकथकाचुंघायामरुजनिविघ्नसिधमरु॥ ॥ सैर ३ वषाश्विनकषूटविसर्धसा
 रुलद्रसिरीश्रीकषूचिगायाकयागखान क्कामसर्वावगिसैकथिपमुखेदभसदक निपायापजाअथाः
 सदाथसंगुधायापनिसुसिधयकमाधकवमुवियाहगुयालिसवियाशुदि॥ क्कामदभसिखाकदस
 भदकस संगुधायापनिसासुदनसिधुकि करपिसवियाहयापलस्ययधूनश्यायाअना ८०
 कथकाधकलिसवियाशुगसंगुधायापी वविभनिकास्वीपलवियालिसशुदि॥ ॥

समरु ३८ पोषण क्क १ जपूहमासिषद्र संगुधायावेरावनयान लपलिसिन सिअत्रावफया
 दि॥ ॥ माघशुक्लपूहमासिषद्र उवाहालादिनिथसिअश्यागुधूनकनथकालिविद्योः
 पमिपमुखेवयइमात्राशुक्कथालिसा निथसिअधूनकायावेरावनयानलग
 श्चल॥ ॥ लपलिंविथिपिंदुधुगुस वगसयवसिधनायाविनायाकउदान
 धमाकयदसियाल्यंगुदामनैवकमिः स्ववकलिसंथामदकससिधुनपोगला
 गविकनपागविनायाककनयाउदासदामनवसियाल्यंगु॥ ॥ सैर ३८ वेगुक्कषू१२
 वहनियाद्यउ १ क्कसद्यउजावेल ३५ रुयअयावसंगुधायागशुवालापूलायासामाधि

मालेनाकधूयकरुयअविच्यूलमलचूमइअ पनिस्ययागुददमधंकशंगुधायकथ(चः
 इल॥ ॥ सम्वनर ३८ वेभेखेउकनसकमित्रीगवात्रथकद्रुसंगुधायगइवात्रामखा
 मालखकधूयाभानिकेयानदिननाजाशी ३नाइहुविकममहात्राजानसाभागी
 मार्कवियाभानिकेकयाकलत्रिनायाकमा ॥ ॥ हानायकवकतासिमखंवाहायाकइ २९
 इयापलिसांऊऊनमाहानायावकनासिन ॥ ॥ सेगुयावशीगसेगुवयलाऊसासिसेगु
 यावशीवगवदसेगुवदगुधनदचिनायाक पूजायाकसिखंमगुयाधकनाऊगुवाहाउपा
 धानअकयाअविहर्षकमर्माचार्यनअकयावऊहर्षदिशिआखत्रकमाहानमासिपूजाव

दुगाकात्रऊरुकरसनावाचिक्रखासिवाले दानसूर्यविचत्रलविष्यज्जालाविष्यहमि
 दानध्ववागल मयइइगहायका रुखाहनासिआशालपूजावाहनदगुई१मस
 ई१पवनरुगोसिआशालपूजावाहा नइगुई१भानिपुत्रिसिआशालपूजा
 मइशीपूजासेगुकलपूजास ॥ ॥ नाव ॥ ॥ नाहोसिंदवाखाहैसई४निसावउ
 पा४समयाचकगधचकसिह्नायका पाया(थे)ऊरुखेसिचयकइयाभानि
 याथूमि॥ ॥ ॥ थषनयावाहिसवालामूयाचापिकाययानभानिपुत्रिसपात्रवधया
 हाथक।अविहर्षवऊहर्षवऊधत्रपूजाकभपूजाचिह्नऊपयाहाथसमिषनूवइवान

पूरु उपाध्याया गु सध्वनी पाच नमः अविहर्ष कर्तृ हर्ष कर्तृ धन प्रमान द पूजा कृ भ पूजा शाली थ
 पुनः राजगु वाहा था क या भाग म स पाच नमः पूजा कृ भ पूजा शाली ॥ ना ज गु वा हा पा म ख स वि
 द म ध न ल उ म मा ध क था क नैया म गा ज गु वा हा पा था क सिया धू पु नू या धू मि ॥ ॥
 रथ स मि ध न व रु स मि वा त पु नू थो का सित्व क धू या थो ज म या डि व न्या स पि का य यो म थ
 ला रु लियाना गु वा हा डि सि उ म ख व क मा दान मा मि क स गु या पे खा क या था का नि न
 कि र्क २ थ ख नू या धू मि ॥ ॥ स म न २ ३ ४ वे म ख गु क १० द सि म गु क वा त द टि ३ वि नो २ हा
 थो ज म नि या न्या म पि का दि थ क नू क्को पा र वा ख सि हा स न व ना ग पू जा गु नू म धु ल थ लि वि

८२

वि थ न व ना ग पू जा पू र हा या थ न ना य नू क न द्वा हा खान रु प या नै य सि स हा ना अ सि रु च ल स
 द क ले ख रु या अ सि रु च ल पे थो प ना व पू जा या ना स ना नै म थि क रु या अ स ले सा ना स रि न क
 ना का स स खा या म या ॥ ॥ थ न न्या म पि का य या न रु रु शाली न द क व स मा हा प क न
 स ना ग ध न्या म च ल न य न प द्वा ना स मा ल क था प ना या स हा पा स र्या ध पू जा स
 क ल्प स ध र्म प धु लि का पा थ गु नू म धु ल पे च ग र्ह म ध न थ न नि मा व लि पा ४ वि या
 व लि रु या सि ध न म धु ल थि ना रि स मा दि क ल म च न द व पू जा वि धि थ थ न थो ज म नि हा
 व ना ध प या य थ न व ला मि न न्या स च ल स मि थि या ले ख थ ना अ ल प ल अ रु प ल पे च व त्र पे च

मृगपंचदहपंचपञ्चवर्गस्य पंचविंशतिका न त्रिसंथनयना अश्वत्थामृनि सहिना अक्रुहया
मृत्ताचार्य उपाध्याय कर्मचार्य शास्त्रस्य कर्मचार्य वसुमत्तनपस्य गाय अक्रुहया अक्रुहया द्वा
स्वाने स्वाने माला वज्र आस्य वेदेवाकस्य
धनन्यासपिहा विष्णुसंलिख्य वज्रस्य
गाय अक्रुहस्वाने न्यासघलसदृश संक्रु
कृमिन मजयेकं गया दिष्टिकनका अस्वर्ग धनमृत्ताचार्य न्यासाय अक्रुहया
हया खोल दूना सा पूजायाना गुरुलि सविर्सा का गहया सान सायका धन अग्निस्तेपन अ

संमथिके जाय पंचविंशतिका स्वज आस्य
विषद न अना अस्वाने माला न क्रयायका ८३
एक सलि दद्या सं पंचविंशतिका अया अ

एता रुमि धनन्यास घलसदव पूजा विधि (थं दव ना रुमि धन अद्रुमि विद्या उपाध्याय न स्वासिव
लिख उर्विंशतिका वलि विद्या वाक पूजा धन मय रुद्रा गहायका पवन रुद्र व सि आ अल पूजा
गर्पन इगुर्ग १ रुस स्वास्ना सि आ अल
सि आ अल पूजा मं रुषी पूनी संगु कलप
मं ४ थमि पूजा मं धुल धि नो पाथ ममाफ
सं स्वाद्रुमि विमर्क न धन लि वाय था चक न्यास घल दव रुद्रांक उयर्क ठा स घल रुस इ अ
ल्ला खग सं लस्वर्ग इ का या रूप नायाना न्यास वलि विद्या धन समया वक्र ग धन रु सि ह्ना

पूजा गर्पन मं रुद्रांक १ इगुर्ग १ रुस स्वास्ना सि आ अल
जा सु ०० धा व ०० धा रु सि द्वा स्वाह स
यम पूजा द रुद्रांक धन नित्य ना व धन

यकथं द्वापायाच्युत (थं) शोकासित्वक ध्या न्यास पिकायाथ नि॥ ॥ सम्वत् २३८८ वेभाषधु क
 ११ सशोकासिथ अन्याम न्नाजगुवाहा उपा ध्वा कर्माचार्य से गुयाथ कात्रि झं ४ वा सेरु झं २ कमि
 झं २ से गुमि झं २ थ त्रिया न चि नाया के पिसं ध उल घं स्व स र्घं त्रिया शो का सिका अन
 गगमनयाना से गु धा च्चु जो क उ न्ना अन सि मालय का सि मा स क झ सु का उ
 पंचमरु का उ १ हिना न या चा क मरु च्चु य का न या क ल से पू जा या ना वलि पा न रु म
 या पा ग्वल २ रु थ २ स्व ना पू जा या न या चा क पू जा दि ग या सि मा १० द म का ध पू जा यो हा म धु लं धि

८४

ला वन पूजा द रु धा समयाचक ग ध च क सै लि हा डाय म रु ड अ न्न नाना स निषून स ह्मा रु
 मि रु रु झाल वलि पा न रु वि या चा क पू जा दि ग सि मा १० द म का ध पू जा या हा सि मा या मि उ ड
 य गु सि मा च्चु मा पू जा या ना घ टि उ वि न्ना घा टि २ हा सि मा क थ य वं ला वा से र्ज या
 हा न पू जा या ना पाल व ह्मा ना सि मा क थ य का (थ लि स म या च क ग ध च क थ नि
 धू न का सि च्छि का धू न का ड से गु स द को ना य थ च का सि धु जा या हा शो का
 सि मा य का दे या ना मा श या रु क्क (थ न्ने डाल स्व झाल न रु सै से गु या थ का त्रि न किं झं २ ल स्व
 स्यं द का या माले क सा य का (थ लि सा मि न रु स रु स र्घं ध त्रि वि र्पं धि य का सक ल्यं च्छु लि

हा अया ओकासिकायायाथनि ॥

॥ सच्चन २३८ वे आषष्ठ कृ १ अ पूर्व मासि वदवायधपूज

ओकासिकायायापूजा कत्रसपूजा शालपूजा स मूलाचार्य उपाध्याय कर्माचार्य थनि क्रिसिओषल
कमहात्रमासिमंथ क पूजा विधिर्यक
ना ओकासिकाया कयका सिद्धार्क वसिसेन
नरुत्रव कल मयश कल पूजा ॥ आक्रिय
नि ॥ ओकासिकाया ना पाल सखाव दधम पा गी का स न न आ न सिध शलि थ गु म जि उ ध
का अ रु न भव गु श गु न व स मावा पू वा स गु स ॥ न भ वा क पू या चिनवा हा ली उ रु न स

मिया न हा पूजा द २ द क धा आ रु न ल अ हा
या अ या वा क पूजा रु स्वा स क न पूजा पव
मि आ शी न पूजा स म या च क ग ध व क थः

मा १

होमि माल च का अ अं स निषूद्र गु वि न म कि गु या न वि धि कि त्रा या न ड लि कि त्रा या ना सि मा
थ न का सि सा ला रु या न स्व सं द का या थ च दू पू नू क मि या न ओ का सि ल हा ना पूजा का पा या
क वि धि या दा म त्रा वा र्य सि र्ष म गु या था क
न अ कू या व ड रु र्ष पूजा ना पूजा वा हा या व ड
वे आ ष क पू १० द सि पूर्व रु ड न क रु शु क
प त न्ना स या ना दि न पूजा स व न स न ध न वि द्र न या न द क व स ना हा ष क न स ना ग च सी चू
फ प मि षा या न वि धि मा क्री द या दा ॥ ॥ का पा न्ना भ व उ वि या न्ना भ य ल वि श्र न का द व चू जा

उपाध्याय न अ कू या न वि रु र्ष क म्मा वा र्य
ध न सि र्ष म गु या न धि क थ नि ॥ ॥

वा न थ क दू से गु था या ओ का सि द्वा य न

हयकं हयाक न सया लिउ न नृषु दल पद्य याया न्यास घ न ह्य प नाया ना द्वाया सूर्या र्घ याद
 पूजा स कल्ये गु न मधु न पंचग हं (भाधन विसेमादि कल भाधन नृषिस्त पन नृग्रा दू दव
 पूजा धन व नाश य अ स्वर्ग था हा अ ना न त्र ना भ विधि स वा द (थे माल क विधि (थे या हाँ स
 कल का हा अ या द न व ला श न अ ना भ नृ य या न न्या भ घ त्र स हि ना न या गु पंच विं भ मि ट ३
 का ग्व अ रु ना थ न न ना श्री का सि स द्धु हि न ना क न ह या मू ना वा र्घ उ पा धा क म्पा वा
 र्घ स्व म्पा स नै ना य नृ क न स्वा न मा वा पंच वि स मि का ग्व अ ज्ञाने ज्ञाप या ना न्या भ यो हा द्वा हा वि
 ज्ञाप लि स्व र्ग था हा अ ना पंच विं भ मि का अ का न्या भ ल हा वा र्घ वा हा र्घ चू क पु मि ष्टा या ना स्व र्ग

श्रीकासिना क ध्व गु क न क या ला क ज्ञान का न ह स द या दू कं श्र य का २
 द्वा हा अ या थे अ स्म र्ग वा द थ न वि धि (थे श्री का पू जा द व ना दू मि पर्य न्ते (थ लि वा दू मि वि या उ पा
 धान च रु विं भ मि व लि वि या वा क पू जों म य रु द्वा ग हा न का प व न रु व व सि अ ज्ञा र्ग वा हा न दू गु
 र्ग १ रु स्वा रु द्वा सि अ ज्ञा र्ग वा हा न मः स र्ग १ दू गु र्ग १ भा नि पू रि सि अ ज्ञा लं पू
 जाम श्रु थी पू र्वां श्रु क ल पू जा सू ॥ ६ धा व ॥ ६ हा सि वा द्वा वा हं स र्ग ४ थ मि
 पू जा म धु ल धि वा पा थ स मा फ थ न पू जा कि रु नि स वा अ शेषा दू मि वि स र्ग न व लि श्रु या
 स म या च क ग ध च क सि व द्वा य कं थ द्वा पा या दू न (थे रु ना ॥ व त्र न्या स यो श्री का सि द्वा या या ६

श्रीकाश्यान्पापलनाया पूजास्तुलिंथषन्याथनि॥ ॥सम्वत् २३८ चक्रुः कृतनियाय
 वउधिजादित्यवानसगुयावउकापनिस्रयादभत्रक्रिया॥ श्रीलामकनसत्रात्राम्चुग्यैधु
 कालयाविधिवर्द्धदभभायान्नअधिवा सनयानाथषनूमयश्कलरुस्वाकलप
 वनरुत्रवकनशीर्षपूजाभाकिप्रविशि आशीर्षपूजावलिवियामधुलधिनादकध
 पूजासमयाचक्रकउत्रागवचक्रधूमाक्षत्रिथुनिदसत्रक्रिया॥ ॥धसनिषनअष्ट
 वउधिस्रमवाषनूद्रापीदभकर्मयागविधिमात्रकस्रपत्रयैत्रिःनायस्रपनयासं

पूजासकल्यगुनमधुलपंचगव्यजिहमादेकलभार्चनत्रिस्तुपनत्रादुनिमधुलपूजा
 प्रोथापूजादेवनादुनिथनलिघधूकालश्रीरामनिचुगसस्त्रानगर्षदभकर्मयाना
 हि क्रियावपालिनगरुशोनकैजलूम धुपद्वयकाविधिमात्रकायाहावयालि
 हस्रपूजायादंगशुद्धयासकलोकन कायापंचस्रुंकाथमनहागशलिमहिः
 संकीर्तयाथनवत्राशुजामूलाचार्यनगायत्रकृगस्त्रानमात्रापंचस्रुंकावजंजीन
 पुनिस्रमेरुनजापयाहाधुसंनिमूत्राचार्यनवजस्रविपंदनअनीपनिस्रयाहाधि

हा ना की ह अया थ अस्स सं वा वि वि (थ पू जा य धर्मा द व ना कू नि य र्थ न थ न त्रा कू नि वि या उ पा
 धान व उ वि ष मि खा सि वा लि वि या या क चं जा म य रु चं ग हा न का रु स्वा र ना सि आ आ नै पं जा
 वा हा न म स र्क १ द गु र्क १ प व न र नै व सि आ आ ल वा हा न द गु र्क १ आ नि प त्रि सि आ
 आ नै पं जा म रु धी प नी र गु क र पं जा स ०० धा व ०० धा रु सि द द्वा खा हे स क ४ ८ ८
 थ नि पू जा श्री म हा ना जा या ख ष वि श्वा क सि षा धि वा स न म धु ल धि वा प धू या ठा द रु धा पू
 जा वा धान नि स ना व थ न (सं वा कू नि म धु ली प रं हा न या रं क ल स क्ता ना आ व क रु कू या थ नि

॥ ॥ हा नै थ नि ध स लि वा जी स सिं द्वा म थ या न वि वि शी द न या हा प ना व हि लि स सि न्द
 ना र्च न पू जा गु र म धु ल नि स मा दि क ल आ र्च न द व पू जा स रु धा रु कू आ नि पू धा रु कू आ
 ग रु या पू जा ध स लि म धु ल धि वा द रु धा पू जा थ नै र न स मा धि या रं नि द्वा म
 थ या वि वि स स्व स्य या ना प कू उ पा य मू डा न नि स ग ल क्ता न का प व नै प्पा हा अ
 या ग रु व लि पा न वि या न दि न म स्का र ध ग रु म न पा द व क्ता न का वि श्व स ना व रु ह रु
 ल नि ल ग रु कू ना पा द पू जा द व क्ता न नि स का य थ न गी न न म हि म धु ल डि उ व न क

३ मू लाचार्य उ वा धा क र्माचार्य स्व क स्या क ल द व ना या न
 गो र्ग वा प रु जा या सं च य क र्थ या ॥

थन मारुका पूजा गीत नूका न स ज्ञान नूदि ग सं उ गु स गु न क नू के विधि (थं पूजा थन व दू व नू प
 व स गी नू रियं गि नू नाथ धा नानू लका (थं वि द्या सा नू व ध स लि की ल ध स प न गी नू उं ख व नू ध
 क द नू दि ग सं विधि (थं पूजा थन नू लः पु व नू गी नू प नू वि नू क नू का नू (थं लि मू ला नू
 र्यो म नू आ स नू न गी नू प नू दि नू धू नि धू से लि नू ग्यं क नू धू नू के विधि (थं स प नू नू दू क नू र
 भ स ध नू के भ नू ग नू व प नू क नू नू आ दि नू नू द नू स प नू र्प पूजा नू नाम (ध म नू नू आ दि नू ह क नू ठि
 स मा दि नू नू लि क ल नू नू र्च नू नू नू र्मा म की सा ध नू नू क नू द नू व नू नू नू मः दू द व नू व नू नि नू मी
 नू मी स प नू ठि नि नू र्यो १

थन व नू वा ना ही पु व नू गी नू स क नू र स ध पूजा २
 ना वि थन स नू ह स नू नि गी नू क लि नू व नू नू थन उ पा ध्या या वे नू नू व पूजा या दू नू दि ग व लि म हा
 व लि वि र्यो थन नू आ गि नू मू ज नू नि नू के प नू धा वा हा नू का गी नू का ना ०० वे नू नू नू व नू प नू र शू
 नू थन र्प व क नू नू ह क गी नू हा ज नू र व ध मा नू क गी नू या य ॥ थन की मा गी नू नू नू
 क पूजा र्प व स नू का व नू ज नू नू क भि नू धा धि वा स नू प नू र्ध्या नू र नू पूजा या दू की मा गी
 पूजा नू थन वा हि व स म या क क रं हा नू गी नू र्यो र ग ध व क नू मा की नी थ नि नू री या कि
 या वि धि ॥ ॥ थन लि पि हा ज या नि स क र्म या ना दू थ नू नू या गु सि का क का य नू प

१ सप्तम २ ३८ आषाढ ४ कृत्त मनिधवात्रथपून् सगु धाययनिस्य यागु सेगुयानवथ नायागु लकाकृ मि
 ऊरुयादद्यान कृथपून् श्वय नाहकिला गार्क लसिम धैक सगिषून् पूनां ऊरु मगु चं उरु वसधागु
 ऊरु गगलससहया ऊरु ऊरु ऊरु नीलवऊ नया न इकनसखर नाहास कन मना गघपू निहा पा
 नासग्वनखासिव उरु उविं म निव उ बा न पूजा या कगुवाहा थगुनया पिसंकल्यै उ पिनी दमः
 दिगाचार्य माहान मासिक पूजा नापू उ पिनी वि धिर्थं पत्रिकु मनपूजा मा कर्धका अ मू धीयाग
 शलिसप नाप द्याया भिकारु नि ऊरु मान सगु या था कालि उरु या विसै धरु न पसन निया लहसै रु
 राशक पू ऊरु मान आभिर्वा दद रु ध पूजा वा धन निस ना अ शेखा रु निविस ऊं न न इकल स वि सः

जनमयासंमधुलविषर्जनयानाखासिवलिविषर्जनधूकापनांगुगुरुमधुपयाद्वअनंगुमधुलसमा
 धियानाविधि(थं)दवपूजागुरुमधुपपूजापदिगर्भमधुलधिवाखानननात्राभिर्वादिविभर्जनयानमूला
 चार्यदनाअनावगसुविपदकासंभगाकृवध्वन
 लकाङ्कगुरुविभर्जनयानगुगोमाननमाह १
 समझाअयागचुनकावाजाओ ३ वाङ्कविभूम
 विद्याविनायगदकवसभरुसगयाधगुयाथकात्रिधज्ञानकावाद्यधवर्कदवस्ववाकउजकैरुचाप्रसि
 हासरुसमचुनकअनाप्रसिहाइनदविदाअत्रुदलपद्यवायाअकिनस्यमध्वकवसगयाअवग्वले

नवनागसुपनायादापूजमाल २ वनिवस्व २ गयापूजाहलकीपयकाअत्रुनकादिननवनायाहावध
 फफकयासंखानगयाविधि(थं)द्वक २ स्यामरुनजापचषचिरेनायजापयादाअर्घयाहामुनिमालक ॥ थन
 लिलखनकनसध्वनकाअरुसमचुनका(थलिना
 नकउगुखानकनससइहाअनकैलखउयली
 दलपद्यवायाअसुपनायासंविधि(थं)पूजाविस
 दआल्याखनस्यलखयाअरुयात्रुकिमाध्यायाकसविज्ञानकाथनकसभकिपूधा मयइधोसावासुपनया
 संसिलाकनियाहाविधि(थं)सिनाकनिविधिपविकमनश्री ॥ मयइचुगहाउकारुस्याहनासिआओ

धम्मरत्न बज्राचायं सुरत श्री महाबिहार PH390 'B'

